वर्ष 24, अंक 271, पृष्ठ 08, मूल्य: 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज मंगलवार 8 अप्रैल 2025 विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ बम ने पूरी दुनिया में मचाया तहलका

हर भारतीय परिवार को हो सकता है इतने हजार का नुकसान!

अमेरिका : डोनाल्ड ट्रंप ने प्रेसिडेंशियल इलेक्शन के दौरान ही घोषणा कर दी थी कि जब भी वह सरकार में आएंगे, रेसिप्रोकल टैरिफ नीति को लागू कर देंगे. चुनाव जीतने के बाद उन्होंने "रेसिप्रोकल टैरिफ" नीति की घोषणा की और 2 अप्रैल से इसे कई देशों पर लागू कर दिया. इसके तहत अमेरिका अब दूसरे देशों पर वही टैरिफ लगाएगा जो वह देश अमेरिकी सामान पर लगाते हैं. इस फैसले ने वैश्विक व्यापार जगत में हलचल मचा दी है. कई देशों की अर्थव्यवस्थाएं इससे प्रभावित हो सकती हैं, लेकिन भारत के लिए यह स्थिति राहत और अवसर दोनों लेकर आई है. हालांकि, जब प्रति परिवार के हिसाब से देखेंगे तो पता चलेगा कि ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी की वजह से हर साल भारतीय परिवारों को कुछ हजार रुपये का नुकसान हो सकता है.

भारतीय परिवारों को कितना नुकसान हो सकता है

भारत की अर्थव्यवस्था पर इस टैरिफ नीति का प्रभाव सीमित रहने की उम्मीद है. गोल्डमैन सैक्स की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप के टैरिफ बम से भारत की जीडीपी में केवल 0.19 फीसदी की कमी आ सकती है, जो प्रति परिवार सालाना 2396 रुपये की आय में गिरावट के बराबर है. इसका कारण भारत की मजबूत घरेलू मांग और वैश्विक निर्यात में उसकी सीमित हिस्सेदारी (2.4 फीसदी) है. भारत अमेरिका का एक बड़ा व्यापारिक साझेदार है. अप्रैल से फरवरी 2025 के बीच भारत ने अमेरिका को 395.63 अरब डॉलर मूल्य का सामान एक्सपोर्ट किया है. टैरिफ बढ़ने का असर टेक्सटाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और कृषि उत्पादों पर जरूर पड़ेगा. इसे ऐसे समझिए कि भारत हर साल 8 अरब डॉलर के कपड़े और 5 अरब डॉलर के कृषि उत्पाद अमेरिका को भेजता है. लेकिन बांग्लादेश और वियतनाम जैसे देशों पर ज्यादा टैरिफ लगने से भारतीय उत्पाद अपेक्षाकृत सस्ते रहेंगे और एक्सपोर्ट को नया अवसर मिल सकता है.

अच्छी स्थिति में है भारत

ट्रंप की नई टैरिफ नीति के तहत सभी देशों पर 10 फीसदी का बेस टैरिफ लगाया गया है, जिसमें भारत पर 26 फीसदी अतिरिक्त शुल्क जोड़ा गया है. वहीं चीन पर 34 फीसदी, वियतनाम पर 46 फीसदी, बांग्लादेश पर 37 फीसदी और यूरोपीय संघ पर 20 फीसदी का टैरिफ लागू होगा. ऐसे में भारत, कंपीटिटिव देशों की तुलना में बेहतर स्थिति में नजर आ रहा है, क्योंकि भारतीय सामान अब भी अमेरिकी बाजार में तुलनात्मक रूप से सस्ते रहेंगे.

स्टैगफ्लेशन के खतरे में अमेरिका

वहीं अमेरिका में इन टैरिफ्स से महंगाई बढ़ने और आर्थिक विकास रुकने का खतरा है, जिसे ह्यस्टैगफ्लेशनह्ल कहा जाता है. इसके अलावा, अगर अन्य देश जवाबी टैरिफ लगाते हैं तो वैश्विक व्यापार युद्ध की स्थिति बन सकती है. ऐसे में भारत के लिए यह समय नई रणनीतियां बनाने और नए बाजार तलाशने का है.

सरकार घरेलू उद्योगों की रक्षा के लिए डंपिंग रोकने और अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर तेजी से काम कर रही है. अगर भारत अमेरिका, यूके और खाड़ी देशों के साथ प्रभावी ट्रेड डील कर पाता है, तो टेक्सटाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों को बड़ा फायदा हो सकता है।

जांच अधिकारी को कटघरे में खड़ा करो

क्रिमिनिल केस बनाओ, यूपी पुलिस पर भड़क उठा सुप्रीम कोर्ट

यूपी

केवल पैसे देने और उसे वापस न करने का मामला आपराधिक अपराध नहीं है। यह बिल्कुल भी मामला नहीं है। यह कानून के शासन का उल्लंघन है। चार महीनों में यह दूसरी बार है जब सर्वोच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश में दीवानी विवादों के आपराधिक मामलों में तब्दील होने की बढ़ती संख्या पर चिंता व्यक्त की है।

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उत्तर प्रदेश पुलिस को नियमित रूप से सिविल विवादों को आपराधिक मामलों में बदलने के लिए फटकार लगाई और इसे बेतुका और कानून के शासन का पूरी तरह से उल्लंघन बताया। धोखाधड़ी के एक मामले की सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने कहा कि पैसे वापस न करने का मामला आपराधिक अपराध नहीं बनता। यह कुछ अजीब है जो यूपी में दिन-प्रतिदिन हो रहा है। केवल पैसे देने और उसे वापस न करने का मामला आपराधिक अपराध नहीं है। यह बिल्कुल भी मामला नहीं है। यह कानून के शासन का उल्लंघन है। चार महीनों में यह दूसरी बार है जब सर्वोच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश में दीवानी विवादों के आपराधिक मामलों में तब्दील होने की बढ़ती संख्या पर चिंता व्यक्त की है।

सर्वोच्च न्यायालय एक याचिका पर विचार कर रहा था जिसमें एक आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप लगाए गए हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया है। जबकि एक सिविल मामला व्यक्तियों या संगठनों के बीच विवादों से संबंधित होता है और इसमें मुआवजे या उपाय की मांग शामिल होती है, एक आपराधिक मामला कानून का उल्लंघन करने के लिए दायर किया जाता है और इसमें सजा की अलग-अलग डिग्री शामिल होती है। शीर्ष न्यायालय ने मामले में जांच अधिकारी की भी खिंचाई की और कार्यवाही की चेतावनी दी।

शीर्ष न्यायालय ने मामले में ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक लगाते हुए कहा, यह बेतुकापन है... मैं जांच अधिकारी से कहूंगा कि वह गवाह के कठघरे में खड़ा होकर अपने समन-पूर्व साक्ष्य दर्ज करे। मैं जांच अधिकारी को पकड़कर उसके खिलाफ कार्यवाही शुरू करूंगा। दिसंबर में शीर्ष अदालत ने यूपी पुलिस प्रमुख से कहा कि वे सिविल विवादों को आपराधिक मामलों में बदलने की नियमित प्रक्रिया पर रोक लगाएं और नागरिकों को परेशान करना बंद करें। अदालत ने चेतावनी दी कि अगर यह प्रथा बंद नहीं हुई तो वह आदेश पारित करेगी कि पुलिस प्रमुख को पूरी जिंदगी याद रहेगी।

चीफ जस्टिस पर फूटा ममता बनर्जी का गुस्सा

मुझे जेल जाने की परवाह नहीं

पश्चिम बंगाल

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा संचालित और सहायता प्राप्त स्कूलों में शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के रूप में अपनी नौकरी खोने वाले लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि कृपया यह मत समझिए कि हमने इसे स्वीकार कर लिया है। हम पत्थर दिल नहीं हैं, और ऐसा कहने के लिए मुझे जेल भी हो सकती है, लेकिन मुझे इसकी परवाह नहीं है।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कोलकाता के नेताजी इंडोर स्टेडियम में बर्खास्त शिक्षकों के एक वर्ग से मुलाकात की और उनका समर्थन करने की कसम खाई और आश्वासन दिया कि योग्य उम्मीदवार बेरोजगार नहीं रहेंगे। यह घटनाक्रम सुप्रीम कोर्ट द्वारा 2016 के पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग भर्ती के माध्यम से की गई 25,752 स्कूल नौकरियों की नियुक्तियों को रद्द करने के फैसले को बरकरार रखने के कुछ दिनों बाद हुआ है। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा संचालित और सहायता प्राप्त स्कूलों में शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के रूप में अपनी नौकरी खोने वाले लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि कृपया यह मत समझिए कि हमने इसे स्वीकार कर लिया है। हम पत्थर दिल नहीं हैं, और ऐसा कहने के लिए मुझे जेल भी हो सकती है, लेकिन मुझे इसकी परवाह नहीं है। ममता बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने बंगाल की शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद करने की साजिश बताया है। उन्होंने कहा कि हमारे पास यह सुनिश्चित करने के लिए अलग-अलग योजनाएँ हैं कि पात्र उम्मीदवार बेरोजगार न हों या उनकी सेवा में कोई बाधा न आए। मेरा नाम ऐसी चीज में घसीटा जा रहा है जिसके बारे में मुझे कोई जानकारी नहीं है। शीर्ष अदालत के 3 अप्रैल के फैसले में भर्ती प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं और धोखाधड़ी का हवाला दिया गया था, जिसके कारण हजारों शिक्षकों को बर्खास्त कर दिया गया था। ममता बनर्जी ने अदालत के फैसले का पालन करने की कसम खाई है, लेकिन उन्होंने इस फैसले को योग्य उम्मीदवारों के लिए अन्यायपूर्ण बताया।

मनमानी फीस बढ़ोतरी कर लोगों को लूट रहे हैं निजी स्कूल, रेखा गुप्ता को लिखा पत्र

नई दिल्ली

आतिशी ने याद दिलाया कि पिछली आप सरकार के दौरान जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए सख्त जाँच की व्यवस्था थी, जिसमें नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सीएजी) के ऑडिटर किसी भी शुल्क वृद्धि से पहले स्कूल के खर्चों की जाँच करते थे। आप नेता और विपक्ष की नेता (एलओपी) आतिशी ने सोमवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को एक पत्र लिखा। उन्होंने निजी स्कूलों द्वारा बढ़ाई गई फीस वसूली को तत्काल रोकने की मांग की, जब तक कि उनके वित्तीय विवरणों का व्यापक ऑडिट नहीं हो जाता। आतिशी ने शिक्षा की गैर-व्यावसायिक प्रकृति पर जोर दिया और मौजूदा भाजपा सरकार के तहत निजी संस्थानों के प्रति दिखाई गई स्पष्ट उदारता की आलोचना की। आतिशी ने याद दिलाया कि पिछली आप सरकार के दौरान जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए सख्त जाँच की व्यवस्था थी, जिसमें नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सीएजी) के ऑडिटर किसी भी शुल्क वृद्धि से पहले स्कूल के खर्चों की जाँच करते थे।

'अमेरिका के राष्ट्रपति ने स्टॉक मार्केट की धज्जियां उड़ा दी'

ट्रंप के टैरिफ पर बोले राहुल गांधी

बिहार: बिहार के बेगूसराय में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 'पलायन रोको, नौकरी दो' पदयात्रा में भाग लिया. इस दौरान उन्होंने बेरोजगारी, महंगाई और शिक्षा जैसे अहम मुद्दों पर युवाओं को जागरूक किया. राहुल गांधी ने बताया कि हाल ही में वे संदीप दीक्षित के पॉडकास्ट में शामिल हुए, जो पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के बेटे हैं. वहां उनसे पूछा गया कि उनके परदादा पंडित नेहरू असल में क्या थे- प्रधानमंत्री, नेता या स्वतंत्रता सेनानी?

राहुल ने जवाब में कहा कि जब उन्होंने इस पर सोचना शुरू किया, तो उन्हें अहसास हुआ कि उनके परदादा नेहरू और महात्मा गांधी दोनों सच्चाई से गहरा जुड़ाव रखते थे. उन्होंने आगे कहा कि यही विचारधारा अंबेडकर, सावित्रीबाई फुले, भगवान बुद्ध, गुरु नानक, कबीर और नारायण गुरु में भी दिखती है. सभी सच्चाई और न्याय की राह पर चले.

संविधान और ऐतिहासिक सोच

राहुल गांधी ने कहा कि भारतीय संविधान कोई नई चीज नहीं है, बल्कि यह हजारों साल पुरानी उस सोच का विस्तार है, जिसमें समानता और न्याय की भावना है. संविधान में अंबेडकर, फुले और नेहरू जैसे महापुरुषों की सोच झलकती है. उन्होंने यह भी कहा कि सावरकर की सोच इसमें शामिल नहीं है क्योंकि वो सच्चाई की राह पर नहीं चल सके.

असमानता और सिस्टम की सच्चाई

राहुल गांधी ने अमेरिकी स्टॉक मार्केट का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां से करोड़ों का फायदा तो हुआ, लेकिन आम लोगों को उसका कोई लाभ नहीं मिला।

शेयर बाजार के बाद केंद्र सरकार ने दिया जनता को झटका! महंगा होगा पेट्रोल-डीजल

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने सोमवार (7 अप्रैल,2025) को पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाने का ऐलान कर दिया है.

केंद्र सरकार की ओर से पेट्रोल-डीजल पर 2 रुपये की बढ़ोतरी की गई है. गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ वॉर के चलते सोमवार की सुबह शेयर बाजार में हाहाकार मच गया. शेयर बाजार में सेंसेक्स तीन हजार पॉइंट से ज्यादा गिर गया।

'अगर सपा सांसद सुमन को कुछ हुआ तो सीएम होंगे जिम्मेदार'- अखिलेश

यूपी

अखिलेश ने आगे कहा कि हमें जाति की बात नहीं करनी चाहिए लेकिन हम यहां जाति कनेक्शन देख सकते हैं। सीएम खुद इन सबको बढ़ावा दे रहे हैं। हिटलर के जमाने में फौजी होते थे। इसी तरह इन्होंने एक छिपी हुई भूमिगत सेना तैयार कर रखी है जो समय-समय पर लोगों का अपमान कर रही है।

समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को कहा कि अगर उनकी पार्टी के सांसद रामजी लाल सुमन को कुछ भी होता है तो इसके लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जिम्मेदार होंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री एक छिपी हुई ताकत को बढ़ावा दे रहे हैं जो लोगों को अपमानित कर रही है और विपक्षी आवाजों को निशाना बना रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि अगर रामजी लाल सुमन (सपा सांसद) या किसी सपा नेता के साथ कोई घटना होती है तो उसके लिए खुद सीएम जिम्मेदार होंगे। क्योंकि सीएम ने खुद उस संगठन को अपना आशीर्वाद दिया हुआ है, जितने भी लोग आप वहां देख रहे हैं।

अखिलेश ने आगे कहा कि हमें जाति की बात नहीं करनी चाहिए लेकिन हम यहां जाति कनेक्शन देख सकते हैं। सीएम खुद इन सबको बढ़ावा दे रहे हैं। हिटलर के जमाने में फौजी होते थे।

इसी तरह इन्होंने एक छिपी हुई भूमिगत सेना तैयार कर रखी है जो समय-समय पर लोगों का अपमान कर रही है। यह टिप्पणी आगरा में सुमन के आवास पर करणी सेना के सदस्यों द्वारा किए गए हमले के मद्देनजर आई है। पिछले महीने, संगठन ने संसद में सुमन के बयान का विरोध किया था, जिसमें उन्होंने राजपूत राजा राणा सांगा को "देशद्रोही" कहा था।

कच्चातीवु को वार्ता में शामिल न करने के लिए पीएम मोदी पर साधा निशाना, बताया बहुत निराशाजनक

तमिलनाडु

तमिलनाडु विधानसभा में दिए गए एक बयान में स्टालिन ने कहा कि इससे सिर्फ.यही पता चलता है कि कच्चातीवु को वापस पाने की तमिलनाडु की मांग को नजरअंदाज किया गया है। ऐसा नहीं लगता कि श्रीलंका गए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मछुआरों की रिहाई का मुद्दा भी उठाया हो। यह खेदजनक और निराशाजनक है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार पर राज्य के मछुआरों की लंबे समय से चली आ रही मांगों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की हाल की श्रीलंका यात्रा के बावजूद, श्रीलंकाई नौसेना द्वारा भारतीय मछुआरों की बार-बार की गई गिरफ़्तारियों या कच्चातीवु द्वीप को वापस लेने के लिए कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। तमिलनाडु विधानसभा में दिए गए एक बयान में स्टालिन ने कहा कि इससे सिर्फ. यही पता चलता है कि कच्चातीवु को वापस पाने की तमिलनाडु की मांग को नजरअंदाज किया गया है। ऐसा नहीं लगता कि श्रीलंका गए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मछुआरों की रिहाई का मुद्दा भी उठाया हो। यह खेदजनक और निराशाजनक है।

गुजरात-राजस्थान में लू को लेकर रेड अलर्ट

दिल्ली, पंजाब और हरियाणा में भी आसमान से बरसेगी आग

गुजरात

गुजरात में लू चल रही है. मौसम विभाग ने गुजरात के लिए रेड अलर्ट जारी किया है. अगले दो दिनों के लिए यही अलर्ट पश्चिमी राजस्थान के लिए भी जारी किया गया है. न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक, मौसम वैज्ञानिक डॉ नरेश कुमार ने सोमवार (7 अप्रैल) को इसकी जानकारी दी. इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अगले दिन दिनों में दिल्ली में हीटवेव की स्थिति दिख सकती है.

एएनआई से बातचीत में नरेश कुमार ने कहा, "मौजूदा समय में गुजरात में भयंकर गर्मी की स्थिति बनी है. ऐसे में हमने रेड अलर्ट जारी किया है. वहीं पश्चिमी राजस्थान के लिए आने वाले दो दिनों के लिए रेड अलर्ट जारी की गई है. अगले दिन में पंजाब में भी भयंकर गर्मी की स्थिति का अनुमान है. अगले चार दिनों में हरियाणा में भी भीषण गर्मी देखने को मिल सकती है."

दिल्ली में अगले पांच दिनों का मौसम अपडेट

मौसम विभाग के मुताबिक, 7 अप्रैल को दिल्ली में कुछ जगहों पर हीटवेव की स्थिति हो सकती है. 8 अप्रैल को कई जगहों पर लू की स्थिति का अनुमान है. 9 अप्रैल को दिल्ली में अलग-अलग स्थानों पर गर्म हवाएं चलेंगी. 10 अप्रैल और 11 अप्रैल को दिल्ली में लू की स्थिति होने का अनुमान नहीं है।

हर बच्चा पढ़े, देश आगे बढ़े : शंकरगढ़ में निकली शिक्षा जागरूकता रैली

● बच्चों ने लगाए प्रेरणादायक नारे, अभिभावकों से की अपील - बच्चों को भेजें स्कूल

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़। नए शैक्षिक सत्र की शुरूआत के साथ ही शिक्षा के प्रचार-प्रसार और हर बच्चे को स्कूल से जोड़ने के उद्देश्य से शंकरगढ़ विकास खंड में सोमवार को जागरूकता रैली निकाली गई। रैली में क्षेत्र के चार प्रमुख विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

एसडीएम बारा संदीप तिवारी एवं ब्लॉक प्रमुख निर्मला देवी ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। रैली में पीएम श्री विद्यालय शंकरगढ़, पत्ती देवी बालिका इंटर कॉलेज, कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय एवं राजकीय बालिका इंटर कॉलेज शंकरगढ़ के बच्चों ने सहभागिता की।रैली खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय से आरंभ होकर पुरानी बाजार, रामभवन चौराहा होते हुए सदर बाजार तक निकाली गई। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने घर-घर जाकर अभिभावकों से मुलाकात की और अपने बच्चों को विद्यालय भेजने के लिए प्रेरित किया।रैली के दौरान बच्चों ने ह्लहर घर में अब दीप जलेगा, हर बच्चा स्कूल चलेगाह्व, ह्लअब न करो अज्ञानता की भूल, हर बच्चे को भेजो स्कूलह्व एवं ह्लपढ़ेंगे-पढ़ाएंगे, उन्नत देश बनाएंगेह्व जैसे नारे लगाकर शिक्षा का संदेश दिया।कार्यक्रम में खंड शिक्षा अधिकारी शिव औतार, शिक्षक बृजेश सिंह, वीरेंद्र सिंह, नृपेंद्र सिंह, विजय सिंह, चेतना शर्मा, अतुलेश्वरी गुप्ता, अनिल सिंह, यास्मीन बानो, मनीषा सिंह, अनिल पटेल, सुरेंद्र कुमार, सरोज रामअधीन, पारस द्विवेदी कस्तूरबा गांधी विद्यालय की शिक्षिकाएं यास्मीन इम्तियाज, ज्योति उपाध्याय, रेनू देवी, एवं पत्ती देवी बालिका इंटर कॉलेज की शिक्षिकाएं निर्मला सिंह, रंजना सिंह, कल्पना सिंह, रेखा मिश्रा, दीप्ति, खुशबू सहित कई शिक्षकों ने सहभागिता निभाई।

विद्यालय में टॉप करने वाले छात्र छात्राओं को विभिन्न प्रकार के पुरस्कार दिए गए

● विद्यालय के प्रबंधक रवि करण सिंह ने कहा की छात्र-छात्राओं को ऐसे ही मेहनत करनी चाहिए

नैनी। नैनी में ज्ञान भारती इंटरमीडिएट कॉलेज काजीपुर रोड चक दाउदनगर नैनी में पुरस्कार पाकर छात्रों और अभिभावकों के चेहरे खिल उठे ज्ञान भारती इंटर कॉलेज काजीपुर रोड चक दाउदनगर में विद्यालय में टॉप करने वाले छात्र छात्राओं को विद्यालय के प्रबंधक रवि करण सिंह एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य भारत सिंह के द्वारा पुरस्कार वितरण किया गया जिसमें क्लास में पहला और दूसरा स्थान पाने वाले छात्र-छात्राओं को विभिन्न प्रकार के पुरस्कार दिए गए जिसे पाकर अभिभावक एवं छात्र अत्यधिक प्रसन्न हुए इस अवसर पर विद्यालय के अध्यापक वंदना सोनी अनिल उपाध्याय सिद्ध की जीगिरजा शंकर सिंह वीर भारत पांडे मंजू मौर्य विद्या पिंकी अंकित द्विवेदी अनुज दुबे रोहित सिंह विकास सिंह एवं कई अभिभावकों के साथ साथ अनेक बुद्धिजीवी वर्ग थे विद्यालय के प्रबंधक रवि करण सिंह ने कहा की जो छात्र विद्यालय में टॉप किए हैं उन्हें अलग से छात्रवृत्ति भी दीजाएगी।

मऊआइमा पुलिस ने फल के लगने वाले ठेलों को हटवा कर चलाया जेसीबी

● मऊआइमा पुलिस के विरोध में दुकानदारों का धरना प्रदर्शन, बेरोजगार करने का आरोप

अखंड भारत संदेश

मऊआइमा। सोमवार को मऊआइमा पुलिस ने थाना चौराहे पर फलो के लगने वाले दर्जनों ठेले0क9 की दुकानों को हटवा कर जेसीबी चलवा कर जमीन दोज कर दिया। जिस में दुकानदारों ने पुलिस के खिलाफ धरना प्रदर्शन किए। व्यापार मंडल के अध्यक्ष सन्त लाल अग्रहरि, महामंत्री प्रधान चन्द्र सेन यादव, व्यापार मंडल के मीडिया प्रभारी अशोक कौशल आदि ने थाना प्रभारी निरीक्षक वीरेंद्र कुमार मिश्रा से भेंट कर ठेले वालों का दर्द बताए। जिसपर थाना प्रभारी ने कहा कि थाना के इर्द-गिर्द दर्जनों ठेला लगाने से आवागमन बाधित हो रहा है तथा सड़क को उक्त ठेला वाले बाजार बना लिए हैं। व्यापार मंडल के प्रतिनिधि मंडल से प्रभारी निरीक्षक वीरेंद्र कुमार मिश्रा ने कहा कि यह ठेला घूम घूम कर बेचें। उन्हें कोई नहीं रोकेगा।ठेला रेहडी लगाने वाले दुकानदारों में सक्षम जायसवाल, विनीत गुप्ता,नीरज कुमार, सन्त लाल, पुरषोत्तम, महेश, पवन पुष्पाकर, रमजान, दिनेश कुमार पटेल, पिन्टू, अब्बास, वकील, विनय कुमार श्रवण कुमार आदि का आरोप है कि थाना चौराहा मोड से लेकर फोरलेन तक अन्य दुकानदारों को पुलिस की दया दृष्टि बनी हुई है।

विधायक ने जनसंपर्क में सरकार की योजनाओं की दी जानकारी

● घर घर जाकर लोगो को सरकार द्वारा चलाई जा रही योजना की बुकलेट दी

नैनी। नैनी सच्चा बाबा आश्रम में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचकर कार्यकर्ताओ को सम्बोधित किया करछना से विधायक पीयूष रंजन निषाद ने अरैल सच्चा बाबा आश्रम में पदाधिकारीयो के साथ बैठक एवं क्षेत्र में जनसंपर्क किया और सरकार की उपलब्धियां के साथ-साथ सरकार के द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में जानकारी दिए। करछना से विधायक पियूष रंजन निषाद ने अरैल पार्षद प्रदीप महरा के साथ अरैल में जनसंपर्क अभियान चलाकर लोगों को भाजपा सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी दी विधायक ने बताया कि भाजपा के शासनकाल में देश व प्रदेश में विकास तेजी के साथ हो रहा है और विकास पुरानी विरासतों को संजोने के साथ किया जा रहा है। जिसमें चाहे वह प्रयागराज में लेटे हनुमान मंदिर कॉरिडोर हो, महर्षि भारद्वाज आश्रम कॉरिडोर,

विंध्याचल कॉरिडोर, काशी कॉरिडोर और अन्य जगहों पर विरासत को संवारने का काम किया जा रहा है। सरकार द्वारा आम जनमानस के लिए कई तरह की कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही है और आम जनमानस को स्वास्थ्य से लेकर मूलभूत सुविधाओं के लिए उन्हें सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ भी मिल रहा है उन्होंने बताया कि गरीब लोगों को स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए सरकार ने कई योजनाएं चलाई है जिसका लाभ लोग पा रहे हैं जनसंपर्क के दौरान विधायक ने लोगों को सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी के लिए एक बुकलेट भी दिया जिसमें सरकार द्वारा चलाई जा रही तमाम कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई है इन योजनाओं की जानकारी लेकर जरूरतमंद लोग लाभ उठा सकते है । यह जनसंपर्क कार्यक्रम सच्चा बाबा आश्रम से शुरू होकर अरैल क्षेत्र में तमाम जगहों पर चलाया गया जहां पर लोगों को योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान नागेश्वर निषाद, राम जी श्रीवास्तव, राज बहादुर श्रीवास्तव, दीपक पांडे, ध्रुव तिवारी, रवि सिंह, लल्लू कुशवाहा, शरद तिवारी, राजन तिवारी, कार्तिकेय पुरी, राजेश पुरी, सत्यम सिंह संजय श्रीवास्तव, गणेश पांडे, प्रदीप मिश्रा सहित सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भारद्वाज गुरुकुल में मनाया गया विश्व स्वास्थ्य दिवस

सहसों। भारद्वाज गुरुकुल संस्थान रुदापुर में सोमवार को संस्थान के बच्चों द्वारा विश्व स्वस्थ्य दिवस मनाया गया। विश्व स्तर पर विश्व स्वास्थ्य संगठन बनाया गया जिसकी स्थापना 7 अप्रैल 1948 को हुई और औपचारिक रूप से 1 सितंबर 1948 को सुचारू रूप से कार्य को करना प्रारंभ किया था। जिसके बारे में बच्चों को जानकारी देते हुए संस्थान के प्रबंधक विनय उपाध्याय ने बच्चों को बताया कि इसका मुख्य कार्यालय जिनेवा स्विट्जरलैंड में स्थापित है। भारत में इसका मुख्य कार्यालय नई दिल्ली में है। इसके 194 देश सदस्य हैं तथा 19वीं सदी के मध्य में जब तरह-तरह की संक्रामक बीमारियां पैदा हुई और हैजा प्लेग चेचक बुखार आदि अनेक प्रकार की संक्रमित बीमारियों ने जन्म लिया तो विश्व की चिंता बढ़ गई। ऐसी स्थिति में स्वास्थ्य के लिए एक नए दृष्टिकोण को अपनाने की आवश्यकता महसूस हुई। जो विश्वस्तरीय विश्व स्वास्थ्य संगठन का रूप ले लिया और अपना कार्य प्रारंभ कर दिया। संयुक्त राष्ट्र संघ की यह स्वास्थ्य एजेंसी प्रयोगशालाओं से लेकर युद्ध के मैदान तक सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए समर्पित होकर कार्य कर रही है। आज 150 देश में स्वास्थ्य के क्षेत्र में सदस्य देशों के साथ मिलकर व्यापक पैमाने पर स्वास्थ्य संबंधी सेवा दे रही है। यह एजेंसियां जीवन रक्षक दवाइयां और टीके आदि समय-समय पर उपलब्ध करवाती हैं। इस अवसर पर संस्थान के बच्चों और शिक्षकों ने अपने अपने विचार रखते उपस्थित रहे।

ओपेन जिम से युवाओं में हर्ष, भविष्य निर्माण में सहायक

सहसों। विकासखंड सहसों के ग्राम सभा जगदेवपुर बरेली उमरपुर गांव में स्वर्गीय नवरंग बहादुर सिंह की स्मृति में ब्लॉक प्रमुख सहसों गीता सिंह ने नारियल तोड़कर ओपन जिम का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में ओपन जिम खुल जाने से ग्रामीण युवा अपने भविष्य का निर्माण कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा समय-समय पर विभिन्न विभागों में वैकेंसी आती हैं। जिसमें शारीरिक दक्षता के लिए यह जिम कारगर साबित होगा। इस ओपेन जिम में बुजुर्ग एवं महिलाएं भी यहां आकर अपने स्वास्थ्य की देखभाल एवं सुरक्षित रख सकते हैं। भाजपा नेता राकेश बहादुर सिंह ने भी बच्चों, बुजुर्गों एवं युवाओं से कहा कि सरकार द्वारा चलाई जा रही इस योजना का लाभ उठाकर अपने स्वास्थ्य की देखभाल करें। गांव में ओपेन जिम खुल जाने से ग्रामीण बच्चों युवाओं में काफी हर्ष का महौल है। इस मौके पर जेई सच्चिदानंद, अरुण कुमार सिंह, अवधेश यादव, पूर्व प्रधान रमाशंकर भारती, जवाहर सिंह, भारत लाल यादव, बाबूलाल, राजवंत सिंह, नागेंद्र बहादुर सिंह सहित आदि ग्रामीण उपस्थित रहे।

बैठक आहुत कर मनाई गई भाजपा का स्थापना दिवस

सहसों। भारतीय जनता पार्टी गंगापार द्वारा भाजपा कार्यालय सहसों पर पूर्व मंडल अध्यक्ष अनिल सरोज की अध्यक्षता में एक बैठक आहुत कर कार्यकताओं ने पार्टी की स्थापना दिवस के अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं श्रद्धा सुमन अर्पित किया तथा उनको नमन करते हुए पार्टी की स्थापना दिवस मनाया। स्थापना दिवस पर आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व जिला उपाध्यक्ष एवं अध्यक्ष भूमि विकास बैंक फूलपुर वीरेन्द्र बहादुर सिंह ने पार्टी की रीति और नीति पर विस्तार रूप से प्रकाश डालते हुए चर्चा की। भाजपा नेता सत्यम हिंदू ने कहा कि पार्टी की स्थापना 6 अप्रैल 1980 में हुई थी जोकि पार्टी आज अच्छे नेतृत्वों के साथ देश की सबसे बड़ी पार्टी के रूप में जनता की सेवा, देश का विकास एवं जन कल्याणकारी योजनाओं के साथ देश एवं प्रदेश का नेतृत्व करते हुए सुशासन देने में सफल साबित हो रही है। बैठक में प्रमुख रूप से राजधर द्विवेदी, जय प्रकाश द्विवेदी, शंकर लाल, संतोष सिंह, राजेश सरोज, सुभाष शुक्ला, विमल मिश्रा, मनोज तिवारी, शिव बाबू केसरवानी, लता विश्वकर्मा, नीतू भारतीय, लवकुश बिंद, बिमल सिंह, गगन शुक्ला, प्रमोद शुक्ला, रंजन त्रिपाठी, राजेन्द्र प्रसाद, राजेश कुमार, त्रिभुवन सिंह, प्रहलाद मोदनवाल, मानसिंह मौर्या रामचन्द्र मिश्रा, मुकुंद लाल पटेल, सूरज कुमार सहित आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मियां का पूरा में निकली भव्य रामनवमी शोभायात्रा

एसीपी हंडिया, एसएचओ सरायममरेज शोभायात्रा में रहे मौजूद

जंघई। रामनवमी पर्व पर मनुपुर मियांपुर बाजार में व्यापार मंडल द्वारा डीजे ढोल नगाड़ों के साथ भव्य शोभायात्रा पूरे मे बाजार में निकाली गई और भव्य रामोत्सव कार्यक्रम संपन्न हुआ। श्री रामनवमी के शुभ अवसर पर स्थानीय व्यापारियों, विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारियों द्वारा विशाल शोभा यात्रा व झांकियां निकाली गई। श्रीराम, लक्ष्मण एवं बजरंगबली के स्वरूप की झांकी पूरे बाजार में निकाली गई जय श्रीराम से पूरा क्षेत्र गुंजायमान हो उठा। शोभायात्रा में विहिप, बजरंग दल, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओ ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया जिसमें क्षेत्र के सैकड़ों हिंदू जनमानस की उपस्थिति रही। शोभायात्रा में कानून व्यवस्था चुस्त दुरुस्त बनाए रखने हेतु एसीपी हंडिया सुनील सिंह, एसएचओ सरायममरेज योगेश प्रताप सिंह, उप निरीक्षक अरुण कुमार, उप निरीक्षक सौमित्र सिंह, उप निरीक्षक आराधना सिंह सहित तमाम पुलिस कर्मी मौजूद रहे। भोलानाथ केसरवानी पप्पू गंगापार जिला महामंत्री व्यापार मंडल, मियां का पूरा व्यापार मंडल अध्यक्ष पंकज केसरवानी, प्रांजल मोदनवाल, रजत केसरी, विकास चंद केसरी, ज्ञानचंद केसरी, विजय कुमार साहू, बृजेश कुमार यादव, देवेंद्र सिंह एवं मियां का पूरा व्यापार मंडल सहित तमाम लोगों ने शोभायात्रा में सहयोग किया।

सरायममरेज पुलिस, एसओजी सर्विलांस टीम ने 10 हजार इनामी सहित 5 अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

जंघई। पुलिस आयुक्त एवं अपर पुलिस आयुक्त के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम मे पुलिस उपायुक्त व अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर के कुशल पर्यवेक्षण में सहायक पुलिस आयुक्त हंडिया के कुशल नेतृत्व में गंगानगर जोन के थाना सरायममरेज व एसओजी सर्विलांस सेल गंगानगर की संयुक्त टीम द्वारा पशु क्रुरता करने वाले पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। जिसमें राजकुमार बिंद उर्फ टून्नू पुत्र टुनटुन बिंद निवासी तिवई थाना चैनपुर जनपद भभुआ बिहार, चंद्रभूषण खलीफा पुत्र जगलाल नासिरपट्टी सरायममरेज, महेंद्र यादव पुत्र प्यारेलाल चांदोपारा हंडिया, मोहम्मद इमरान पुत्र अब्दुल सुबहान उतरांव, इंद्रेश दुबे रामू पुत्र विजय शंकर दुबे बरेस्ताकला फूलपुर को थाना सरायममरेज अंतर्गत चंपापुर भट्टे के पास से दो गोवंश 20 अवैध देशी बम व घटना में प्रयुक्त पिकअप वाहन के साथ रविवार को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों ने कड़ाई से पूंछताछ करने पर बताया कि हम लोग मिलकर उत्तर प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर घूमकर पशुओं की रेकी करते थे तथा रेकी की गई पशुओं को सुनसान स्थान पर एकत्रित करके वाहनों में लादकर पशु क्रुरता के लिए बिहार राज्य ले जाकर बेच देते थे, और प्राप्त रूपयों को सभी लोग आपस में बांट

लेते थे अपने आप को पकड़े जाने से बचाने के लिए अवैध देशी बम रखते थे। पांचों अभियुक्तों में राजकुमार बिंद पुत्र टुनटुन बिंद के ऊपर 10 हजार का इनाम भी रखा गया था जिसमें इसकी भी गिरफ्तारी हो चुकी है। गिरफ्तार अभियुक्तों के ऊपर कई थानों में संगीन धाराओं में एफआईआर दर्ज है।गिरफ्तार करने वाली टीम में थानाध्यक्ष सरायममरेज योगेश प्रताप सिंह, उप निरीक्षक सुखचैन तिवारी प्रभारी एसओजी सर्विलांस सेल गंगानगर, चौकी इंचार्ज जंघई संजय कुमार मौर्य, उप निरीक्षक उमाकांत, उप निरीक्षक बालकेश, उप निरीक्षक सौरभ यादव, उप निरीक्षक प्रभुनारायण यादव, उप निरीक्षक शाहनवाज खान, हेड कांस्टेबल वीरेंद्र यादव, हेड कांस्टेबल देवेंद्र प्रताप सिंह, हेड कांस्टेबल बृजेश सिंह, हेड कांस्टेबल अनुग्रह कुमार, हेड कांस्टेबल रविंद्र यादव, हेड कांस्टेबल रवीश चंद, हेड कांस्टेबल राजेश यादव, हेड कांस्टेबल अंगद गिरी, कांस्टेबल मनोज कुमार यादव, कांस्टेबल मंजीत कुमार, कांस्टेबल अनंत चौधरी, कांस्टेबल अंकित यादव, कांस्टेबल समीर प्रताप सिंह, कांस्टेबल पीयूष पंकज, कांस्टेबल विशाल सिंह शामिल रहे।

नैनी पुलिस एवं एसओजी यमुनानगर की संयुक्त टीम ने हथियार तस्करों को किया गिरफ्तार, मुख्य आरोपी फरार

पकड़े गए तस्करों से दस पिस्टल और चार तमंचे बरामद

अखंड भारत संदेश

नैनी। नैनी पुलिस एवं एसओजी यमुनानगर की संयुक्त टीम ने तीन हथियार तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुराने टोल प्लाजा के पास से पकड़े गए आरोपियों के पास से 10 पिस्टल 32 बोर, 4 तमंचे 315 बोर, 8 खाली मैगजीन और 700 रुपये नकद बरामद हुए हैं। पकड़े गए तस्करों में मेजा के मदरा मुकुन्दपुर निवासी नीरज मिश्रा, मिजार्पुर के हलिया निवासी सुनील दुबे और मेजा के दोहरिया निवासी सत्य प्रकाश यादव शामिल हैं। डीसीपी विवेक चंद्र यादव के अनुसार, आरोपी मेजा के बिपिन से हथियार खरीदते थे। बिपिन मिजार्पुर से हथियार मंगवाता था।

पूछताछ में पता चला कि आरोपी 26 हजार रुपये में तमंचा और 30 हजार रुपये में पिस्टल खरीदते थे। इन्हें क्रमशः 35 हजार और 45 हजार रुपये में बेचा जाता था। इनकी सप्लाई अन्य जिलों के साथ-साथ दूसरे राज्यों में भी की जाती थी। तीनों आरोपियों के खिलाफ पहले से विभिन्न थानों में कई मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने इन्हें आर्म्स एक्ट समेत कई धाराओं में गिरफ्तार किया है। गैंग के सरगना और मिजार्पुर में चल रही हथियारों की फैक्ट्री की तलाश के लिए एक विशेष टीम गठित की गई है। मुख्य आरोपी बिपिन अभी फरार है।

कठौली फाटक मुद्दे पर समाजसेवी पप्पू शर्मा ने पूर्व राज्यसभा संसद की मुलाकात

अखंड भारत संदेश

मेजा। कठौली के बंद पड़े गेट नंबर 26 सी पर फुट ओवरब्रिज अथवा फ्लाई ओवरब्रिज निर्माण हेतु कठौली गांव के पूर्व प्रधान एवं समाजसेवी हरिशंकर शर्मा पप्पू भईया जी की मांग पर प्रयागराज के सांसद कुंवर उज्जवल रमण सिंह द्वारा रेलमंत्री को भेजे गए पत्र के क्रम में बीते 2अप्रैल को अधिकारियों की टीम मौके पर पहुंच कर ग्रामीणों की मौजूदगी में भूमि सर्वे की प्रक्रिया के पश्चात रिपोर्ट प्रेषित करने की बात कही गई थी जिसके क्रम में समाजसेवी पप्पू शर्मा सोमवार को पुनः सांसद उज्जवल रमण सिंह एवं पूर्व राज्यसभा सांसद कुंवर रेवती रमण सिंह से मुलाकात कर स्थिति से अवगत कराया। सांसद प्रयागराज उज्जवल रमण सिंह ने बताया कि कठौली रेलवे क्रासिंग पर फुट ओवरब्रिज बनाने में लगभग पांच करोड़ का खर्च आएगा जिसे रेल विभाग बनवाने को राजी है किंतु फ्लाई ओवरब्रिज निर्माण हेतु लगभग चालीस से पचास करोड़ की लागत आएगी जिसमें किसानों की भूमि का मुआवजा राज्य सरकार के द्वारा दिया जाना है और इसमें समय सीमा बढ़ जाएगी। उन्होंने कहा कि गांव की जनता पर यह निर्भर करता है कि वे फुट ओवरब्रिज चाहते हैं या फ्लाई ओवरब्रिज ? जबकि एक ऑडियो जारी कर समाजसेवी पप्पू शर्मा ने इस मुद्दे पर गांव की जनता से राय साझा करने की बात कही है। फिलहाल पूर्व प्रधान हरिशंकर शर्मा के मुताबिक प्रयागराज सांसद उज्जवल रमण सिंह एवं पूर्व राज्यसभा सांसद कुंवर रेवती रमण सिंह दोनों राजनेताओं ने इस अहम मुद्दे पर भारत सरकार के रेलमंत्री और प्रदेश के मुख्यमंत्री से वार्ता कर बंद पड़े कठौली रेलवे क्रासिंग पर ग्रामीणों के आवागमन हेतु फ्लाई ओवरब्रिज के निर्माण का आश्वासन दिया है।

जुआ खेलते 8 लोग गिरफ्तार, पुलिस ने छापेमारी कर 7.61 लाख रुपए और 12 मोबाइल जब्त किए

प्रयागराज। अतरसुइया थाना पुलिस ने जुआरियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने दो अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर 8 जुआरियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 7.61 लाख रुपए नकद, 14,500 रुपए जामातलाशी में, 23 गड्डी ताश और 12 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। पकड़े गए आरोपियों में रानीमंडी निवासी मुखतार हैदर, बहादुरगंज के नवीन कुमार गुप्ता, मुठ्ठीगंज के आलोक श्रीवास्तव, करैली के रामबाबू निषाद और आकाश निषाद शामिल हैं। इसके अलावा मीरापुर के दिलीप कुमार यादव, खुल्दाबाद के राजेंद्र कुमार और धूमनगंज के विकास केसरवानी को भी गिरफ्तार किया गया है।

थाना प्रभारी संजय कुमार द्विवेदी के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में उप-निरीक्षक अजय कुमार चौरसिया, अभिषेक वर्मा, हीरा लाल और रामेंद्र कुमार सिंह समेत कई पुलिसकर्मी शामिल थे। सभी आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करते हुए उन्हें जेल भेज दिया गया है।

फर्जी हार्ट सर्जन गिरफ्तार, ऑपरेशन के बाद 7 मरीजों की हो गई थी मौत

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। फर्जी हार्ट सर्जन नरेंद्र जॉन केम (नरेंद्र यादव) को आज गिरफ्तार कर लिया गया। उसने दमोह के मिशन अस्पताल में हॉर्ट पेशेंट का ऑपरेशन किया था। 7 मरीजों की मौत हो गई थी। तभी से दमोह पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। दमोह एसपी श्रुत कीर्ति सोमवंशी ने उसकी गिरफ्तारी की पुष्टि की है।

अस्पताल में सर्जरी के बाद जिन मरीजों की मौत होने का दावा किया जा रहा है, उनमें रहीसा बेग शामिल हैं। उनके बेटे नबी ने बताया, '12 फरवरी को मां को हार्ट अटैक आया। उन्हें जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। हालत नाजुक थी, इसलिए मिशन अस्पताल रेफर कर दिया। यहां डॉ. एनजोन केएम ने कहा कि मां के दिल में 80% और 92% के दो ब्लॉकेज हैं। एंजियोप्लास्टी करनी पड़ेगी। हमने भोपाल ले जाने को कहा तो उन्होंने अलग-अलग बातें कहीं। 50 हजार रुपए जमा करवाए। 15 फरवरी को एंजियोप्लास्टी कर दी। करीब आधे घंटे बाद मां की मौत हो गई।हमने इलाज की रिपोर्ट मांगी तो नहीं दी गई। कहा कि जरूरत नहीं है। हम मां का शव लेकर आ गए। अब पता चला है कि सर्जरी करने वाला डॉक्टर फर्जी था। आयुष्मान कार्ड लेकर आए, तब तक सर्जरी कर डाली मिशन अस्पताल में ऑपरेशन के बाद एक अन्य मरीज मंगल सिंह की भी मौत हो गई थी। ?भास्कर ने उनके बेटे धर्मेंद्र से वीडियो कॉल पर बात की। धर्मेंद्र ने बताया, '3 फरवरी की सुबह 6 बजे पिता को सीने में दर्द हुआ था। छोटा भाई जितेंद्र उन्हें मिशन अस्पताल लेकर पहुंचा। सुबह भाई ने बताया कि पिता की सर्जरी होनी है, आयुष्मान कार्ड लेकर आ जाओ। सुबह 11 बजे अस्पताल पहुंचे, तब तक पिता की सर्जरी हो चुकी थी।

बीडीओ मेजा के निर्देश पर ग्राम पंचायत मेड़रा में आयोजित हुई गांव की खुली समीक्षा बैठक

बैठक में आवास सर्वेयर आनंद सिंह ने ग्रामीणों को पीएम आवास के लिए स्वयं के मोबाइल से ऑनलाइन करने हेतु ऐप डाउनलोड करने की जानकारी किया साझा,प्रधान का दावा गांव का विकास ही संकल्प

अखंड भारत संदेश

मेजा। बीडीओ मेजा के निर्देश पर ग्राम पंचायत मेड़रा में सोमवार को प्रधान, सचिव और आवास सर्वेयर के संयुक्त नेतृत्व में गांव की खुली समीक्षा बैठक आयोजित हुई जिसमें पीएम आवास सर्वे, वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, पीएम किसान सम्मान निधि, शौचालय, मनरेगा कार्य के अलावा अन्य विकास कार्यों पर फोकस किया गया। इस दौरान ग्राम प्रधान रामधारी उर्फ कल्लू बिंद के द्वारा बीते चार वर्षों में किए गए विकास कार्यों को नवागंतुक ग्राम सचिव राममिलन पटेल ने बैठक में बड़ी संख्या में उपस्थित ग्रामीणों के समक्ष प्रमुखता से गिनाया साथ साथ बीते शनिवार को बीडीओ मेजा अमित कुमार सिंह द्वारा समस्त पंचायतों के सचिवों एवं प्रधानों को आवास सर्वे 2024 में सेल्फ सर्वे एवं एसिस्टेंट सर्वे को लेकर दिए गए आदेश के क्रम में ग्रामीणों को विस्तृत जानकारी सर्वेयर आनंद कुमार सिंह द्वारा दी गई। इस दौरान ग्राम सचिव राममिलन पटेल ने कहा कि पूर्व के कार्यकाल की तुलना में ग्राम पंचायत मेडरा में विकास को गति मिली है। बैठक में ग्राम सचिव ने प्रधान रामधारी बिंद उर्फ कल्लू नेता के द्वारा बीते चार वर्षों में ग्राम पंचायत में किए गए विकास कार्यों जैसे शिवाराम के घर से रमापति के घर तक,राजेश के घर से रामसजीवन के घर तक,मोहन लाल के घर से भुलई के घर तक, राजेश के घर से आरसीसी तक, पंचरतन के घर से मंदिर तक, पीडब्ल्यूडी रोड से श्याम नारायण यादव के घर तक,अमरनाथ के घर से दयाशंकर विश्वकर्मा के घर तक इंटरलॉकिंग, अक्षय कुमार के घर से ट्रांसफार्मर तक इंटरलॉकिंग एवं पक्की नाली, वसंत लाल के घर से मंदिर होते हुए छेदी लाल के घर तक इंटरलॉकिंग कार्य, गांव के नाला पर पुलिया निर्माण, हैंडपंप से नाला तक इंटरलॉकिंग, कल्लन यादव के घर से रामदेव यादव के घर तक पक्की नाली, बिंद बस्ती में चकामार्ग नंबर 48 से मंदिर तक पक्की नाली निर्माण, पी डब्लू डी विष्णु शुक्ला के घर से कामता के चक तक कच्चा चकमर्ग, कामता के घर से कूंची बार्डर तक चकमर्ग,प्राइमरी स्कूल से कब्रिस्तान तक कच्चा चकमर्ग कच्चा चकमर्ग, नाला से बरहा माइनर तक कच्चा चकमर्ग, लक्षनधारी के चक से नाला तक तथा वसंत लाल के घर से नाला तक कच्चा चकमार्ग। प्राथमिक विद्यालय मेडरा का कायाकल्प, भानु प्रताप तिवारी के घर से तालाब तक कच्चा चकमर्ग, अखिलेश तिवारी तोलन बिंद सुरेश तिवारी व अन्य के खेत का मेड बंदी,नाला पुलिया से तालाब तक पक्की नाली, पंचायत भवन में कंप्यूटरीकृत हैंडपंप फाउंडेशन व शोकपीट, कैलाश गुप्ता के घर से पहाड़ तक जीएसबी डस्ट, पीडब्लूडी रोड से पाल बस्ती तक जीएसबी व डस्ट,पीडब्लूडी रोड से श्याम नारायण के तक इंटरलॉकिंग, कल्लन यादव के घर से रामदेव यादव के घर तक पक्की नाली, बुड्ढी माता पर हैंडपंप की अधिष्ठापना,काली रोड से पिपरहवा तालाब जीएसबी व डस्ट,काली रोड से सुरेश तिवारी के घर तक व शिवराम के घर से मुंशी के घर तक व रमापति के घर से पाल बस्ती तक जीएसबी डस्ट, शिवराम बिंद के घर से रमापति के घर तक इंटरलॉकिंग व नाली राजेश के घर से रामसजीवन के घर तक व रामसजीवन के घर से भुलई के घर तक इंटरलॉकिंग, रज्जन बिंद के घर समीप, हरिजन बस्ती, बेचू बिंद के घर पास हैंडपंप रिबोर, अन्य विभाग से बिंद बस्ती में सीसी नाली,अहिरान बस्ती से मेडरा बस्ती तक इंटरलॉकिंग, पीडब्लूडी रोड से अमरनाथ के घर तक इंटरलॉकिंग, ब्राह्मण बस्ती व पटेल बस्ती में सीसी रोड,ब्राह्मण बस्ती में इंटरलॉकिंग तथा पीडब्लूडी द्वारा मेडरा केवट बस्ती पाल बस्ती व पटेल बस्ती में डामरिंग सड़क निर्माण,इसके अतिरिक्त पंचायत भवन के हंडापंप का फाउंडेशन एवं सीसी कैमरा, ब्राह्मण बस्ती में देवस्थल पर हैंडपंप का कार्य, आरसी सेंटर कूड़ा घर के अलावा पीडब्ल्यूडी से कूंची मार्ग रिपेयर आदि कार्यों को विंदुवार गिनाते हुए प्रधान और पूर्व सचिव के विकास कार्यों की उपलब्धियां बताया। इस दौरान ग्राम सचिव राममिलन पटेल ने पीएम आवास के लिए ग्रामीणों को पत्रता का मानक समझाते हुए स्वतः अपने मोबाइल से ऐप डाउनलोड कर आनलाइन करने की बात कहा। समीक्षा बैठक में प्रधान रामधारी उर्फ कल्लू नेता ने कहा कि गांव हमारा परिवार है हमें जो जिम्मेदारी दिया है उसे पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन कर रहा हूं। हम अपने परिवार के विकास के लिए संकल्पित हैं और शासन द्वारा संचालित योजनाओं को गांव के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचना एवं गांव का सर्वांगीण विकास करना ही हमारी प्राथमिकता है।

इस मौके पर बड़ी संख्या में गांव की महिलाएं, पुरुष आदि के अलावा रोजगार सेवक ब्रह्मानंद सिंह,पंचायत सहायक प्रतिभा गुप्ता,बीडीसी प्रतिनिधि अमरनाथ पटेल एवं सदस्य गण खुली बैठक में प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

मनमाने तौर पर बिजली का बिल भेजने को लेकर उपभोक्ता परेशान

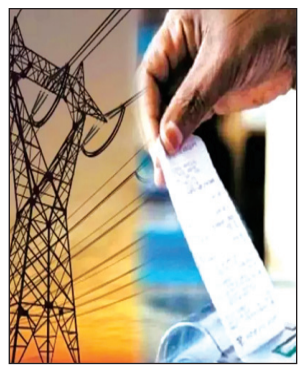

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। विद्युत उपभोक्ता महगू लाल जसरा के रहने वाले हैं चावल मील के मालिक हैं बिजली विभाग से 20 हॉर्स पावर का कनेक्शन गौहनिया पावर हाउस के अंतरगत ले रखा है अपने चावल मील का विस्तार करते हुए बिजली विभाग द्वारा विद्युत कनेक्शन के लिए 200 किलोवाट का आवेदन जिस पर विभाग ने एक अनुमानित राशि जारी किया.जिसका पैसा महंगु लाल द्वारा 605367 17 जनवरी 2024 को विभाग को जमा किया गया मगर विभाग द्वारा उनके भार को बढ़ाया नहीं गया उपभोक्ता कई बार जाकर इसकी शिकायत थी लेकिन फिर भी विभाग ने कोई कार्यवाई नहीं की जब की नियमानुसर विद्युत भार बढ़ते ही मीटर का बदला जाना तय था

लेकिन विभाग द्वारा ऐसी कोई कार्यवाहि नहीं हुई परंतु बिजली बिल 200 किलोवाट के हिसाब से जारी कर दिया गया और आज भी बिना मीटर बदले ही 200 किलोवाट का बिजली का बिल मनमाने ढंग से आने लगा है जिस पर उपभोक्ता काफी परेशान है वह बिजली विभाग के बड़े-बड़े अधिकारियों से विनती कर रहा है और ऑफिस के चक्कर लगा रहा है देखते ही देखते 1 साल बीत गया और अब यह हाल हो चुका है कि बिजली का बिल बढ़कर मार्च 2025 के महीने तक19 लाख का बिल भेजा जा चुका है जिस पर उपभोक्ता परेशान है और सुनने वाला कोई नहीं है क इसके संबंध में उपभोक्ता ने उच्च अधिकारियों से जांच की मांग की है।

जसरा में वायरल ऑडियो को लेकर प्रधान संघ ने की बैठक, ऑडियो को बताया झूठा व निराधार

जसरा। विकास खंड जसरा के सभागार में प्रधान संघ के तत्वाधान में एक आवश्यक बैठक की गई। जिसमें रविवार को इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित ऑडियो को झूठ व निराधार बताया गया। इस अवसर पर लगभग तीन दर्जन से अधिक प्रधान गण उपस्थित रहे।

सोमवार को प्रधान संघ अध्यक्ष दारा सिंह पटेल की अध्यक्षता में लगभग तीन दर्जन से अधिक ग्राम प्रधानों ने बैठक की। जिसमें खंड विकास अधिकारी जसरा के पक्ष में एकजुट हुए प्रधानों ने कहा कि खंड विकास अधिकारी जसरा ग्राम पंचायतों में सरकार की सभी योजनाओं का सही तरीके से बिना किसी कमीशन व बिना किसी दबाव के चहुमुखी विकास का कार्य कर रहे हैं। वायरल ऑडियो बीडीओ जसरा की डमी आवाज बनाकर उन्हें बदनाम व विकास खंड जसरा से हटवाने की साजिश की गई है। वायरल ऑडियो पूरी तरह से झूठा व निराधार है। उक्त ऑडियो जो बीडीओ व ब्लाक कर्मियों के साथ वायरल किया गया है,हम सब जसरा विकास खंड के सभी ग्राम प्रधान व प्रधान संघ के पदाधिकारियों ने इस ऑडियो का पुरजोर तरीके से खंडन किया। तथा कहा कि यह वायरल ऑडियो पूरी तरह से डमी आवाज बनाकर विकासखंड के विकास को रोकने की साजिश की गई है। इस अवसर पर प्रधान संघ महामंत्री गीता देवी, चंद्रा सिंह, सतीश गुप्ता, प्रेम कुशवाहा, आशीष सोनकर, रमा निवास, राजेश साहू, मीना देवी, शोभा गुप्ता, रेनू जायसवाल, मनजीत सिंह, शिव मोहन, श्याम बाबू ,आशीष पाल, राम मनोहर, सहित तीन दर्जन ग्राम प्रधान उपस्थित रहे।

व्यक्तित्व के विकास में बाधक होते हैं बुरे विचार : भास्कर

कोरांव। व्यक्ति को ढेर सारे बुरे विचार आते रहते हैं ,जो उसके व्यक्तित्व के विकास में बाधक बन जाते हैं। इनमे से बीबी आठ सबसे खतरनाक विचार हैं जो सारी फसाद की जड़ हैं।कुलार्णव तन्त्र में इनके विषय में चर्चा करते हुए इनकी निन्दा की गयी है. इनको बन्धन पाश कहा गया है.....घृणा शंका भयं लज्जा जुगुप्सा चेति प?चमी । कुलं शीलं तथा जातिः अष्टौ पाशाः प्रकीर्तिताः। इसी आठवें पाश घृणित विचार ने भारत का बेड़ा गर्क कर डाला...

इस जाति और वर्ण व्यवस्था का हमेशा विरोध होता रहा है।पीड़ित समाज के साथ ही तथाकथित सवर्ण समाज के उदारवादी एवं प्रगतिशील लोगों ने भी जाति एवं वर्ण व्यवस्था का पुरजोर विरोध किया है। कुल 18 पुराणों में से से एक पुराण है, भविष्य पुराण।भविष्य पुराण में वर्ण व्यवस्था का खंडन इस प्रकार से किया गया है.... न ब्राह्मणाश्चन्द्र मरीचि शुभ्रा,न क्षत्रियाः किंशुक पुष्प वर्णाः। न चेह वैश्याः हरिताल तुल्याः, शूद्राःन चांगार समान वर्णाः। पादप्रचारैः तनुवर्ण केशैः सुखेन दुःखेन च शोषितेन। त्वङ् मांस केशास्थि रसैः समानाः चतुः प्रभेदाः हि कथं भवन्ति।। वर्णप्रमाणाकृ तिगर्भवास वाग्बुद्धिकर्मेन्द्रिय जीवितेषु। बलत्रिवर्गामयभेषजेषु न विद्यते जातिकृतो प्रभेदः।। स एक एवात्र पिता प्रजानां कथं पुनः जातिकृतः प्रभेदः। प्रमाणदृष्टांतनय प्रवादैः परीक्ष्यमाणो विघटत्वमेति।। चत्वार एकस्य पितुः सुताश्च तेषां सुतानां खलु जातिरेकः। एवं प्रजानां हि पितैक एव, पित्रैक भावान्न च जातिभेदः।। न ब्राह्मण चन्द्रमा की किरणों की भाति शुक्ल वर्ण के हैं,न ही क्षत्रिय पलास के फूल के समान लाल। न तो वैश्य हरिताल कनेर के समान पीले हैं और न ही तथाकथित शूद्र कोयले के समान काले हैं। चलने फिरने शारीरिक संरचना रंग केश एवं रक्त आदि धातुओं से सभी एक ही प्रकार के दिखाई देते हैं,फिर चार भेद किस कारण से कहे गये?गर्भवास,आकृति रूप रंग कार्य कलाप इन्द्रियव्यापार, जीवन मरण रोग शोक पुरूषार्थ बल एवं औषधीय चिकित्सकीय प्रयोग आदि इन सभी में चारों तथाकथित वर्णों में जातिकृत भेद तो कुछ भी देखने में नहीं आता।सभी एक ही उसी परमपिता परमेश्वर की संतान हैं,प्रमाणों दृष्टांतों एवं शास्त्रों से भी यही बात सिद्ध होती है। फिर जातिकृत भेद क्यों। जब चारों वर्ण एक ही पिता की संतान हैं तो एक पिता से ही उत्पन्न होने के कारण सब पुत्रों की एक ही जाति हो सकती है, अनेक जातियां नहीं।।

उक्त विचार सेवानिवृत डिप्टी कमिश्नर राम शंकर भास्कर कोयलरिहा खजुरी कोरांव प्रयागराज ने व्यक्त किए।

सीडीओ एवं एडीएम ने गेहूँ की क्राप कटिंग का किया निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। रबी 2024-25 मौसम में फसल गेहूँ की उत्पादन आकलन हेतु की मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा द्वारा तहसील पट्टी अन्तर्गत ग्राम लाखीपुर व अपर जिलाधिकारी (वि0ध्रा0) आदित्य प्रजापति द्वारा तहसील सदर अन्तर्गत ग्राम पतुलकी के क्राप कटिंग का निरीक्षण किया गया। सीडीओ द्वारा ग्रामसभा लाखीपुर में किसान के खेत में 10 मीटर के समबाहु त्रिभुज में क्राप कटिंग करायी गयी जिसमें कृषक विजय बहादुर की क्राप कटिंग में 15.750 किग्रा0 वजन (प्रति हेक्टेयर 36 कुन्तल उत्पादकता) प्राप्त हुआ। इसी प्रकार एडीएम द्वारा ग्रामसभा पतुलकी में किसान के खेत में 10 मीटर के समबाहु त्रिभुज में क्राप कटिंग करायी गयी जिसमें कृषक हौसिला प्रसाद सिंह की क्राप कटिंग में 15.300 किग्रा0 वजन (प्रति हेक्टेयर 35 कुन्तल उत्पादकता) प्राप्त हुआ। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि क्राप कटिंग के प्रयोगो के आधार पर ही जिले में फसलों की औसत उपज और उत्पादन के आंकड़े तैयार किये जाते है जिससे जिले में हो रहे उत्पादन की सटीक जानकारी हासिल की जाती है। सीडीओ ने किसानों को सरकारी क्रय केन्द्रों पर गेहूँ बेचने की सलाह दी गयी जिससे उन्हें उनके फसल का उचित मूल्य मिल सके। एडीएम ने किसानों को उन्नत कृषि और मोटे अनाज की कृषि हेतु जागरूक किया व क्राप कटिंग प्रयोग के महत्व को समझाया। उत्पादकता एवं उत्पादन तथा क्षतिपूर्ति के आंकलन के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत सी0सी0ई0 एग्री ऐप के द्वारा क्राप कटिंग सम्पन्न करायी गयी। इस दौरान अपर सांख्यिकीय अधिकारी कलेक्ट्रेट करूणेश यादव, राजस्व निरीक्षक रविशंकर ओझा व श्रीकान्त तिवारी, लेखपाल सतीश गुप्ता, हिमांशु व महेन्द्र पाण्डेय, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के कॉर्डिनेटर आशीष कुमार व पुनीत कुमार व किसान बन्धु उपस्थित रहे।

गेहूं की क्राप कटिंग का निरीक्षण करते अधिकारी

दुर्घटना में अधेड़ की मौत, कोहराम

लालगंज। बाइक की टक्कर से दुर्घटना में घायल अधेड़ की मौत हो गयी । मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। उदयपुर थाना के आहर बीहड़ गांव निवासी संजीवन सरोज (50) पुत्र जग्गू सरोज रविवार की रात घर से कुछ दूर पर खेत में गेहूँ की कटाई के लिए बाइक से पत्नी राजकुमारी के साथ निकले । थाना क्षेत्र में ही पूरे बईसन अमेठी रोड पर पहुंचे कि अचानक पीछे आ रही बाइक ने संजीवन की बाइक में टक्कर मार दी। दुर्घटना में सजीवन को गम्भीर चोटे आ गयी। परिजन इलाज के लिए उसे पड़ोसी जिले रायबरेली ले गये। सोमवार की सुबह इलाज के दौरान घायल की मौत हो गयी। अधेड़ की मौत की सूचना घर पहुंची तब परिजनों में कोहराम मच गया।

न्यूज झरोखा

भगवान श्रीकृष्ण का धरा पर जन्म सुमंगल का सुफल- आचार्य संतोष

प्रतापगढ़। लक्ष्मणपुर के समीप चंदापुर गांव में हो रही श्रीमद्भागवत कथा में सोमवार को भगवान कृष्ण के जन्म की मनोहारी कथा सुनकर श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो उठे। कथा व्यास आचार्य संतोष जी महाराज ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण का जन्म जगत में अधर्म के अंधकार को मिटाते हुए धर्म के प्रकाश की आभा को चमक देने का सुफल है। उन्होनें कहा कि धरती पर जब भी अधर्म और अनीति का बाहुबल बढ़ा भगवान द्वारिकाधीश ने परमसता का लीलावतार लिया। उन्होने कहा कि भगवान के जन्म से संसार के प्राणियों को सुमंगल की कामना साकार होने की अनुभूति हुआ करती है। आचार्य संतोष जी ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण परम दयालु है । प्रत्येक प्राणी के साथ कण कण में भगवान की कृपा विराजमान है। भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव से जुड़ें प्रसंगों का वर्णन करते हुए कथा व्यास ने जगत के समस्त जीवों के लिए भगवान का अवतार सर्वसिद्वि फल दायक बताया । जन्मोत्सव को लेकर भजन व संकीर्तन में भी श्रद्वालुओं को भगवान की महिमा में मंगन देखा गया। कथा के सयोजक समाजसेवी वीरेन्द्र त्रिपाठी व पं0 हेमन्त शुक्ल, सुधा तिवारी, मनोरमा त्रिपाठी ने श्रद्वालुओं के साथ भगवान द्वारिकाधीश के बाल स्वरूप की भव्य आरती उतारी। इस मौके पर नेहा तिवारी, कमला देवी, गंगा देवी, पुष्पा, शिखा, नीलम, स्वाती, ऊषा, राजेश्वरी, श्रीकांत शुक्ल, अरूण मिश्र, माता प्रसाद शुक्ला , चंद्रधर ओझा, देव शुक्ला, ओम प्रकाश मिश्र, रामबदन तिवारी, अवनीश तिवारी, सुरेश सिंह, सर्वेश सिंह आदि रहे।

कृष्ण जन्मोत्सव पर झूम उठे श्रद्धालु

बेलखरनाथ धाम। रैयापुर के शीतलपुर मिश्राना में चल रही श्रीमद् भागवत कथा में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया। कथा के दौरान जैसे भगवान का जन्म हुआ तो पूरा पंडाल नंद के आनंद भयो जय कन्हैया लाल के भजनों और जयकारों से गूंज उठा।कथा व्यास आचार्य आदित्य कृष्ण महाराज ने कहा कि कलयुग में भागवत की कथा सुनने मात्र से हर प्राणी को मोक्ष की प्राप्ति होती है।भागवत कथा एक ऐसी कथा है जिसे ग्रहण करने मात्र से ही मन को शांति मिलती है तथा अहंकार का नाश होता है।भगवान श्रीकृष्ण की वेश में नन्हें बालक के दर्शन करने के लिए लोग लालायित रहे।संगीत मंडली ने लोकगीत व सोहर भी गया। कथा वाचक आयोजक इन्द्रनारायण त्रिपाठी ने पत्नी संग आरती व पूजा पाठ किया। इस मौके पर विनीत तिवारी नवनीत तिवारी अंकित शुक्ला इशू मिश्रा आदि लोग उपस्थित रहें।

पुलिस ने तीन वारंटी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

पट्टी। पुलिस ने तीन वारंटी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करते हुए जेल भेज दिया। पुलिस के अनुसार न्यायालय से वांछित वारंटी बद्री प्रसाद यादव निवासी कुंदनपुर, बद्री प्रसाद सिंह निवासी बीबीपुर व जोखू राम निवासी इटहरा को उनके घर से गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए तीनों अभियुक्तों को पुलिस न्यायालय के समय प्रस्तुत करते हुए जेल भेज दिया।

मासूम के शव की शिनाख्त में मशक्कत में जुटी लालगंज पुलिस

प्रतापगढ़। लालगंज कोतवाली क्षेत्र में रविवार को सई नदी में मासूम का शव उतराये जाने को लेकर पुलिस शिनाख्त कराये जाने में सोमवार को मशक्कत करती दिखी। पुलिस ने जिले के थानों के अलावा आस-पास के जिलों में भी मासूम के शव बरामद होने की सूचना भेजवायी है। पुलिस इस बिन्दु पर पड़ताल कर रही है कि मासूम को लेकर किसी थाने में गुमशुदगी तो नही दर्ज है। वही पुलिस ने मासूम का शव पीएम के लिए भेजवाया है। मासूम के शव का पीएम पहचान की कवायद में मर्चरी हाउस में सुरक्षित रखवाया गया है। बहत्तर घण्टे बाद शव का परीक्षण कराया जायेगा। सीओ लालगंज रामसूरत सोनकर का कहना है कि पांच से छह वर्ष की मासूम की पहचान के लिए पुलिस टीम भी लगातार काम कर रही है। सोशल मीडिया पर मासूम के सई नदी में उतराये शव वायरल होने के बावत सीओ का कहना है कि पानी में शव के फूलने से उम्र ज्यादा दिख रही है। वही मासूम के शव को लेकर क्षेत्र में सोमवार को अप्रिय वारदात होने की भी आशंका को लेकर चर्चा का माहौल भी देखा गया। पुलिस का कहना है कि पीएम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा ।

आगजनी से वनसम्पदा को हुआ नुकसान

लालगंज। रानीगंज कैथौला क्षेत्र के कलापुर के समीप रिजर्व जंगल में सोमवार को अचानक आग फैल गई। आगजनी में जंगल में वेश कीमती पौध जलकर खाक हो गये। सुबह करीब ग्यारह बजे अचानक जंगल में आग फैल गयी। आग का विकराल रूप देख आस-पास के ग्रामीण भयभीत हो गये। सूचना मिलने पर लालगंज से फायर बिग्रेड की टीम पहुंची । टीम ने घण्टों मशक्कत कर आग पर काबू पाया । आगजनी में वनसम्पदा के नुकशान के बावत वन विभाग के अधिकारी मशक्कत में देखे गये। वनक्षेत्राधिकारी एसपी मिश्र का कहना है कि आगजनी के कारणों पर पता लगाते हुए इसके रोक थाम का ठोस प्रबंधन किया जायेगा।

व्यापारी का निधन जताया गया दुख

प्रतापगढ़। स्थानीय लालगंज बाजार के चैक निवासी वरिष्ठ व्यापारी फूलचन्द्र मोदनवाल ऊर्फ मुन्नू (68) का सोमवार की सुबह आकस्मिक निधन हो गया। निधन की जानकारी पर राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी तथा विधायक आराधना मिश्रा मोना ने गहरा दुख जताया है। वही साथी के निधन पर शोक में चैक क्षेत्र में व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद दिखे। व्यापार मंडल की हुई शोक सभा में मुन्नू मोदनवाल के निधन पर श्रद्वाजंलि अर्पित की गयी। बैठक की अध्यक्षता उद्योग व्यापार मंडल अध्यक्ष उदय शंकर दुबे व संचालन शिक्षक गुलाब चन्द्र मोदनवाल ने किया। इस मौके पर चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी , पूर्वसभासद ज्ञान चन्द्र मोदनवाल, अंजनी कौशल,, ज्ञान प्रकाश शुक्ल, दिनेश सिंह रघुनाथ, डॉ0 ओम प्रकाश जायसवाल, शंकर मोदनवाल, श्यामजी सावंरिया, धीरेन्द्र मणि शुक्ल, हाजी मोहम्मद शरीफ, जाहिद खां आदि रहे।

कलेक्ट्रेट परिसर में अग्निकांड विषय पर मॉक ड्रिल का आयोजन

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी द्वारा हीट वेव तैयारी की दृष्टिगत समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देश के क्रम में अपर जिलाधिकारी (वि0ध्रा0) आदित्य प्रजापति की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट परिसर में हीट वेव की दृष्टिगत अग्निकांड से होने वाली घटनाओं से बचाव एवं राहत की दृष्टिगत फायर मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया जिसमें घरेलू एवं कार्यालय स्थल पर लगने वाले आग से बचाव के विभिन्न प्रकार को बचाव के तरीके अग्निशमन विभाग द्वारा बताए गए। रसोई गैस के सिलेंडर में आग लगने पर उसे चादर या अन्य माध्यमों से कैसे बुझाया जा सकता है, इसके लिए क्या करना चाहिए इसकी जानकारी मॉक ड्रिल के जरिए दी गई। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी ने उपस्थित आम जनमानस से कहा कि अग्निकांड से सम्बन्धित जो भी प्रशिक्षण यहां पर दिया गया उसको सभी लोग अपने घरों व आसपास के लोगों को अवश्य बताये और आग बुझाने के जो भी घरेलू उपकरण है उसको घरों में अवश्य रखें जिससे आग लगने से बचा जा सके। एडीएम ने विभिन्न आपदाओं से बचने के उपाय के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी। अग्निशमन विभाग की टीम में अग्निशमन अधिकारी अतुल त्रिपाठी एवं उनकी टीम के साथ-साथ आपदा विशेषज्ञ अनुपम शेखर तिवारी की उपस्थिति में मॉक ड्रिल कार्यक्रम संयुक्त तत्वाधान में कुशलता पूर्वक संपन्न किया। इस कार्यक्रम में कलेक्ट्रेट के अन्य कर्मचारी एवं अधिवक्तागण तथा आम जनमानस ने भी बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया।

अधिवक्ताओं समेत विभिन्न संगठनों ने दी श्रद्वाजंलि

लालगंज। तहसील के गम्भीरबाद बेलहा में बलिदानी स्व0 रामकुमार तिवारी के गांव में सोमवार को भी शहादत को लेकर गम का माहौल देखा गया। वही क्षेत्रीय विधायक एवं कांग्रेस विधान मंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने शहीद रामकुमार तिवारी की स्मृति में लालगंज कालाकाकर हाइवे से बेलहा-धारूपुर मार्ग पर शहीद के गम्भीराबाद पैतृक आवास तक शहीद राम कुमार तिवारी स्मृति सीसी पक्के मार्ग के निर्माण कराये जाने की भी घोषणा की है। राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी एवं विधायक मोना की ओर से शहीद स्मृति मार्ग के अलावा गांव में सार्वजनिक स्थल पर स्मारक व गांव में शहीद द्वार बवनाये जाने की भी घोषणा हो चुकी है। वही सोमवार को तहसील परिसर में आगरा में हेलीकाप्टर से जम्प में शहीद हुए वायु सेना के वारंट आफीसर स्व0 रामकुमार तिवारी की स्मृति को नमन करते हुए अधिवताओं ने आम सभा कर शहीद स्व0 राम कुमार तिवारी को श्रद्वाजंलि अर्पित की। संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष संदीप सिंह की अध्यक्षता में हुई शोक सभा में अधिवक्ताओं ने शहीद के सम्मान में न्यायिक कामकाज से विरत रहने का प्रस्ताव पारित किया। संचालन पूर्व अध्यक्ष ज्ञान प्रकाश शुक्ल ने किया। इस मौके पर पूर्व अध्यक्ष देवी प्रसाद मिश्र , अनिल त्रिपाठी महेश, पं0 राधारमण शुक्ल, घनश्याम मिश्र, शेष तिवारी, दीपेन्द्र तिवारी, सुरेन्द्र सिंह, टीपी यादव, बीडी पटेल, मस्तराम पाल, विपिन शुक्ल, सुमित त्रिपाठी आदि अधिवक्ता रहे। इधर डिफेस टाइगर के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुधीर मिश्र की अगुवाई में पूर्व सैनिकों ने रविवार की शाम शहीद रामकुमार तिवारी के घर पहुंचकर शहादत को नमन किया। इस मौके पर उपाध्यक्ष मनोज सिंह, रिटायर्ड एनएसजी कमांडो मनीष मिश्र, उमेश चन्द्र तिवारी, गंगाराम तिवारी, इंद्रमणि पाण्डेय रहे।

दिनदहाड़े हुई मारपीट में चले ईंट-पत्थर, दो घायल

पट्टी। तहसील में एसडीएम कार्यालय के सामने दो पक्षों में मारपीट की घटना से तहसील में भगदड़ मच गई। मारपीट के दौरान जमकर ईंट पत्थर भी चले। घटना में दो लोग घायल हो गए। घटना के दौरान तहसील परिसर में अफरातफरी का माहौल रहा। बता दें कि पट्टी तहसील में मारपीट व फायरिंग का प्रकरण अभी ठंडा नहीं पड़ा था कि सोमवार के दिन एसडीएम कार्यालय के ठीक सामने लगभग 11 बजे कृष्ण प्रताप सिंह और सदहा गांव के शिवेन्द्र सिंह से मारपीट होने लगी। मारपीट के दौरान ईट पत्थर चलने लगे। वहां मौजूद लोग डर के मारे भागने लगे। शिवेंद्र सिंह का आरोप है कि वह जन्म प्रमाण पत्र की नकल लेने कार्यालय गया था,इस दौरान एसडीएम कार्यालय के प्राइवेट कर्मचारी कृष्ण प्रताप सिंह ने उनसे पैसे की मांग की इसके बाद उन्होंने उसे कुछ पैसा दिया लेकिन वह अधिक धनराशि देने की जिद करने लगा।इसी दौरान कृष्ण प्रताप सिंह अपने सहयोगियों के साथ उनके ऊपर हमला बोल दिया। डंडे और लोहे की सरिया से सिर पर वार कर दिया और ईंट पत्थर भी चलाया जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया। घटना में घायल शिवेन्द्र सिंह का आरोप है कि एसडीएम कार्यालय में प्राइवेट कर्मचारी के तौर पर कार्यरत कृष्ण प्रतापसिंह बदमाश किस्म का है। वह कार्यालय में फाइलों पर आदेश करवाने के नाम पर पैसे की भी वसूली करता है। वहीं दूसरे पक्ष का आरोप है कि शिवेंद्र सिंह आए दिन तहसील में विवाद करते रहते हैं।मामले में दोनों पक्षों की तरफ से कोतवाली में तहरीर दी गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मंदिर परिसर में शनिदेव की मूर्ति हुई खण्डित, श्रद्वालुओं में आक्रोश

● आपसी सहयोग से आज पूजन अर्चन कर होगी नई मूर्ति की स्थापना

लालगंज। कोतवाली के अन्तर्गत रायपुर तियाई स्थित प्राचीन शिव मंदिर के सामने भगवान शनिदेव की श्रद्वालुओं ने मूर्ति स्थापित कर रखी थी। सोमवार की सुबह मंदिर परिसर में श्रद्वालु पहुंचे तब वह चबूतरे के समीप मंदिर परिसर में शनिदेव की मूर्ति खण्डित मिली। मूर्ति के कई टुकड़ों में देख श्रद्वालुओं मे आक्रोश पनप उठी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची । पुलिस ने प्रारम्भिक जांच करते हुए वह घूम रहे एक विक्षिप्त को हिरासत में ले लिया। पुलिस को आशंका है कि सम्भवत विक्षिप्त ने ही ऐसा कृत्य किया हो। वही गांव के लोग घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चा करते देखे गये। कुछ ही देर मे मौके पर करणीसेना के अध्यक्ष विनोद सिंह भी कार्यकताओं के पहुंच गये। करणी सेना ने पुलिस प्रशासन से नई मूर्ति लगवाये जाने की मांग रखी। लालगंज कोतवाल नीरज यादव तथा चैकी इंचार्ज विवेक यादव भी मौके पर पहुंचकर लोगों को समझाया बुझाया । वही पुलिस ने खंण्डित मूर्ति को एकत्रित कर उसका सई मे विसर्जन करवा दिया। प्रभारी निरीक्षक नीरज यादव का कहना है कि यह एक विक्षिप्त का कृत्य है। वही स्थानीय व्यापारियों के द्वारा सहयोग राशि एकत्रित कर शनिदेव भगवान की नई मूर्ति का प्रबंध किया गया है। मंगलवार को नई मूर्ति का पूजन अर्चन के साथ इसे स्थापित कराया जायेगा।

कब्जा करने से मना करने पर विवाहिता को पीटा

पट्टी। कोतवाली के परसंडा गांव निवासिनी विवाहिता ने शिकायती पत्र देकर गांव के ही कुछ लोगों पर उसकी पट्टे की जमीन पर कब्जा करने का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव निवासी मनीषा पत्नी हरिकेश यादव ने पट्टी कोतवाली में शिकायती पत्र देकर आरोपित किया है कि उसके घर में पडोस के ही कुछ लोग कब्जा करने की नियत से भूसा रख रहे थे। जब उसने इसका विरोध किया तो आरोपी हमलावर हो गए और गाली गलौज करते हुए घर में घुसकर उसकी पिटाई शुरू कर दी। हल्ला गुहार पर जब आसपास के लोग पहुंचे तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते भाग निकले। महिला ने आरोपियों पर कार्रवाई करने की गुहार लगाई है। पुलिस प्रार्थना पत्र के आधार पर जांच पड़ताल कर रही हैं।

नन्हे मुन्ने बच्चों के गीतों पर झूमे लोग

● नावेल इंटरनेशनल स्कूल का वार्षिकोत्सव संपन्न

बेलखरनाथ धाम। क्षेत्र के नावेल इंटरनेशनल स्कूल का वार्षिकोत्सव धूमधाम से संपन्न हुआ। जिसमें नन्हे मुन्ने बच्चों द्वारा किये गये कार्यक्रम की सभी ने सराहना की । इस मौके पर विद्यालय की और से क्षेत्र के गणमान्य लोगों को सम्मानित भी किया गया ।विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों मानवी सिंह, आईशा, अरहम, शाहिद, इनाया, अंशिका त्रिपाठी, सिया पांडे, अरिश्फा, आरोही पाल, अथर्व सिंह, कुणाल पाल आदि बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में मौजूद अभिभावकों तथा अतिथियों का मन मोह लिया । राष्ट्रीय गीत, एकांकी, कव्वाली तथा समूह गान से शुरू हुये इस कार्यक्रम में बच्चों ने बढ़कर भाग लिया ।विद्यालय की प्रधानाचार्य शाहीन बानो, बुशरा फुरकान, निमरोज, सना खान और सरिता यादव का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम में साहित्यकार प्रेम कुमार त्रिपाठी, समाजसेवी राजकिशोर त्रिपाठी, पत्रकार गौरव श्रीवास्तव तथा पुनीत कुमार द्विवेदी सहित दर्जनों लोगों को नावेल फाउंडेशन द्वारा शाल स्मृति चिन्ह तथा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया ।इस मौके पर राम लखन पांडे, मौलाना अरशद, नसीम मोहम्मद, संतोष पांडे, प्रियंका सिंह, साजिदा बेगम, बुशरा हकीम, शारदा पाल, शाह आलम, अहमद हसन आदि मौजूद रहे । कार्यक्रम का संचालन विमल कुमार ओझा तथा आलम आजाद ने किया । अंत में तंजील अहमद ने संस्था की ओर से आभार व्यक्त किया गया।

दो बाइकों की टक्कर में युवक घायल

बेलखरनाथ धाम। दो बाइकों की आमने-सामने हुई टक्कर में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे इलाज के लिये मेडिकल कॉलेज ले जाया गया । कंधई थाना के वीरमऊ विशुन दत्त निवासी (22) साहिल सरोज किसी काम से दीवानगंज बाजार जा रहा था। जैसे ही वह मोलानी गांव स्थित पेट्रोल पंप के सामने पहुंचा ही था कि अज्ञात बाइक सवार ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में साहिल सरोज का बायां पैर पूरी से क्षतिग्रस्त हो गया। मौके पर पहुंची स्थानीय चौकी पुलिस ने इलाज के लिए सीएचसी बाबा बेलखरनाथ भेजा। जहां हालत गंभीर होने पर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया । चैकी प्रभारी दीवानगंज प्रदीप कुमार ने बताया कि दूसरे बाइक सवार की तलाश व पहचान के लिए बाजार के सीसीटीवी कैमरे से तलाश की जा रही है।

पीडब्ल्यूडी की जमीन पर हुए निर्माण पर चला बुलडोजर

पट्टी। हाईकोर्ट के आदेश पर पुलिस व तहसील प्रशासन व पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों ने अवैध अतिक्रमण पर बुलडोजर चलाकर ध्वस्त करा दिया।

प्रतापगढ़-पट्टी मार्ग पर पीडब्ल्यूडी की जमीन पर अतिक्रमण करने की एक याचिका हाई कोर्ट इलाहाबाद की खंडपीठ में दायर किया गया था। याचिका करता लालमणि तिवारी ने सात लोगों पर पीडब्ल्यूडी की जमीन पर कब्जा करने का आरोप लगाया था। जिसमें कमला दुबे, सदाशिव पांडे, गंगा प्रसाद, शिवाकांत पांडे, सुधाकर, दिवाकर, गिरजा शंकर पांडे, को हाई कोर्ट के आदेश पर पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा नोटिस दी गई थी। सोमवार को दिन में करीब दो बजे तहसीलदार पवन सिंह पीडब्ल्यूडी के एई अमोद कुमार, अरविंद कुमार, जेई संदीप सिंह, राम अभिलाख, व पुलिस के साथ बुलडोजर लेकर टीम पहुंची। मौके पर कमल दुबे के अतिरिक्त अन्य सभी लोगों ने अपने अतिक्रमण को स्वयंम हटा लिया था। सिर्फ कमल दुबे ही अवैध अतिक्रमण को नहीं हटा पाई थी। जिसे बुलडोजर से धराशाई करा दिया गया। उक्त जानकारी पीडब्ल्यूडी विभाग के ए ई व तहसीलदार पट्टी पवन सिंह ने संयुक्त रूप से उपलब्ध कराई है।

वित्तीय वर्ष 2023-24 में अवशेष एवं वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्राप्त धनराशि से कराये गए कार्यों की समीक्षा

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी द्वारा उदयन सभागार में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत जिला स्वच्छता समिति की बैठक की गई।बैठक में जिलाधिकारी ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में अवशेष एवं वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्राप्त धनराशि से कराये गए कार्यों की समीक्षा की। बैठक में जिला पंचायतीराज अधिकारी अनिल कुमार सिंह द्वारा बताया गया कि जनपद में दिनांक 01.04.2024 का अवशेष कैप 3200 एवं वित्तीय वर्ष 2024-25 का कैप 19406 कुल 22606 का कैप निर्धारित हुआ, जिसके सापेक्ष भारत सरकार के पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों में से 19945 व्यक्ति पात्र पाये गये, जिन्हें एम0आई0एस0 पर अप्रूव्ड कर दी गयी है, जिसमें से अनुमोदित 16001 लाभार्थियों को विभिन्न चरणों में

जिलाधिकारी ने की जिला स्वच्छता समिति की बैठक

पी0एफ0एम0एस0 के माध्यम से प्रथम किस्त एवं 4750 लाभार्थियों को दोनो किस्त की धनराशि लाभार्थियों के खाते में अवमुक्त कर दी गयी है एवं अभी भी एम0आई0एस0 के सापेक्ष 3944 लाभार्थियों को प्रथम किस्त एवं 11251 लाभार्थियों को द्वितीय किस्त की धनराशि अवमुक्त किया जाना अवशेष है। द्वितीय किस्त की मांग के सम्बन्ध में सम्बन्धित विकास खण्ड के सहायक विकास अधिकारी एवं खण्ड विकास अधिकारी से मांग अपेक्षित है, जैसे ही मांग पत्र प्राप्त होता है, तदनुसार प्रथम अथवा द्वितीय किस्त की धनराशि अवमुक्त कर दी जायेंगी। अवमुक्त धनराशि के सापेक्ष कुल 19944 लाभार्थियों के शौचालयों का निर्माण कराते हुए जिओं टैग करा दिया गया है। समिति से अनुरोध है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में जैसे ही शासन द्वारा लक्ष्य का निर्धारण किया जाता है एवं जैसे-जैसे भारत सरकार के पोर्टल पर आवेदन के सापेक्ष लाभार्थियों की पात्रता का विवरण प्राप्त होता है, तदनुसार जिला स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) समिति को अवगत कराते हुए दो किस्तों में सम्बन्धित पात्र लाभार्थियों को धनराशि उपलब्ध कराते हुए शौचालय का निर्माण करा लिया जायेंगा। जिलाधिकारी ने ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबन्धन के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 के अन्तर्गत अवमुक्त धानराशि के सापेक्ष व्यय कम पाये जाने पर सरसवॉ के सहायक विकास अधिकारी(पं0) एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश दिए इसी प्रकरण में अवमुक्त धनराशि के सापेक्ष कम खर्च होने पर चायल, मूरतगंज एवं कड़ा के सहायक विकास अधिकारी(पं0) अधिकारी को चेतावनी जारी की।बैठक में प्लास्टिक मैनेजमेंट यूनिट इकाई के संचालन एवं गोर्वधन योजना के अन्तर्गत बायोगैस प्लान्ट इकाई के संचालन पर विचार किया गया इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अजीत कुमार श्रीवास्तव, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ संजय कुमार, प्रभागीय वनाधिकारी रामसिंह यादव एवं सभी विकास खण्डों के खण्ड विकास अधिकारी एवं अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

एसपी ने किया न्यायालय की सुरक्षा का निरीक्षण

कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक द्वारा न्यायालय सीजेएम जनपद कौशाम्बी के साथ न्यायालय परिसर में लगे सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया गया,जिसमें ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत न्यायालय परिसर में चौकस सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत विभिन्न स्थानों पर कैमरे लगवाने हेतु विचार विमर्श किया गया।निरीक्षण के दौरान एसपी द्वारा सीजेएम के साथ न्यायालय परिसर में लगे पुलिस गार्द, महिला पुरुष बंदी गृह एवं कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर ड्यूटी में लगे पुलिस कर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इस दौरान क्षेत्राधिकारी मंझनपुर मौजूद रहे।

साइबर सुरक्षा गोष्ठी का आयोजन

कौशाम्बी पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी के निर्देशन में साइबर पुलिस टीम द्वारा बड़ौदा यू0पी0 बैंक कस्बा मंझनपुर में बैंक मित्र सम्मान समारोह एवं साइबर सुरक्षा गोष्ठी का आयोजन कर बैंक कर्मियों को साइबर अपराध के प्रति जागरुक किया गया।

न्यूज झरोखा

खेत जा रहे बालक को ट्रक ने कुचला मौत

हर्रायपुर कौशाम्बी। संदीपन घाट थाना अंतर्गत मूरतगंज चौकी क्षेत्र के बलियावा ग्राम में शनिवार के दिन समय लगभग 4:00 बजे कोटेदार के यहां राशन उतारने आते हुए ट्रक के चपेट में आने से एक बालक की दर्दनाक मौत हो गई है बालक के मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। जानकारी के अनुसार सुमित पटेल उम्र 12 वर्ष पुत्र सुरेंद्र पटेल शनिवार को अपने घर से खेत जा रहा था जैसे ही वह कोटेदार के घर के पास पहुंचा राशन लदा ट्रक कोटेदार के यहाँ राशन उतारने आ रहा था अचानक ट्रक की चपेट में बालक के आ जाने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया मौके पर मौजूद परिजनों ने बालक को लेकर निजी अस्पताल में भर्ती कराया जिससे इलाज के दौरान बालक की मृत्यु हो गई मौके पर मूरतगंज चौकी की पुलिस ने पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया मौत के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया है।

पुलिस अधीक्षक ने जनता की सुनी फरियाद

कौशांबी जिले में आम जनमानस को त्वरित न्याय मिले इसलिए पुलिस अधीक्षक बृजेश श्रीवास्तव प्रतिदिन पुलिस कार्यालय में आम जनता से मुलाकात करते हैं उनकी फरियाद को सुनते हैं और समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित पुलिस जनों को निर्देशित करते हैं पुलिस अधीक्षक के प्रतिदिन जनसुनवाई से आम जनता लगातार पुलिस कार्यालय पहुंच रही है और उसे न्याय मिल भी रहा है इसी क्रम में सोमवार को भी पुलिस कार्यालय में पुलिस अधीक्षक बृजेश श्रीवास्तव ने आम जनता की फरियाद को सुना और उसके निस्तारण के लिए संबंधित को उन्होंने निर्देशित किया है इस दौरान उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि फरियादियों को त्वरित और गुणवत्तापूर्ण न्याय दिया जाए आम जनता के समस्याओं शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी और लापरवाही करने वाले पुलिस जनों को कठोर दंड दिया जाएगा उन्होंने कहा कि योगी सरकार की मंशा है कि गांव के गरीबों सबसे कमजोर व्यक्ति को भी तुरंत न्याय मिले और योगी सरकार की मंशा के अनुरूप प्रत्येक व्यक्ति को न्याय दिया जाएगा।

महामाया राजकीय महाविद्यालय में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

कौशाम्बी महामाया राजकीय महाविद्यालय में भारत रत्न डॉ. भीमाराव आंबेडकर, भारत का संविधान एव अमृतकाल में विकसित भारत, सामजस्य मार्ग के विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रो0 शैलेंद्र तिवारी प्राचार्य महामाया राजकीय महाविद्यालय के द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर मालार्पण करके किया गया। इस प्रतियोगिता में चांदनी सरोज प्रथम स्थान संतोष कुमार द्वितीय स्थान एवं खुशी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में डॉ अनिल कुमार डॉ रीता दयाल, डॉ तरित अग्रवाल ने निर्णायक मंडल के रूप कार्य किया। विजेताओं को प्रो0 शैलेंद्र तिवारी, प्राचार्य ने प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इस कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ अजय कुमार द्वारा किया गया इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मनौरी बाजार में राम नवमी पर्व पर माताराणी का भव्य जागरण हुआ सम्पन्न व निकली भक्ति झांकियां

तिल्हापुर मोड। मनौरी बाजार में नवरात्र पर्व के रामनवमी दिवस को रात्रि में माताराणी का भव्य जागरण कीर्तन सम्पन्न हुआ माताराणी का जागरण-कीर्तन नव युवक जय माँ भगवती पूजा पाठ कमेटी व बाजार के व्यापारियों द्वारा नव दिवस पर माताराणी का दरबार लगाया गया था, जिसमे प्रतिदिन नियमानुसार माताराणी का विधिविधान से पूजा-पाठ किया गया व प्रतिदिन रात्रि में नौ बजे से बारह बजे तक कीर्तन -भजन का कार्यक्रम चला ,नवरात्र के अन्तिम दिवस रामनवमी अवसर पर शाम माताराणी का भव्य जागरण -कीर्तन एंव भक्ति झांकी का आयोजन किया गया जिसमें बाजार व आसपास के हजारो लोगो ने माँ दुर्गे के दरबार में हाजरी लगाई। जागरण कार्यक्रम में प्रयागराज की सुप्रशिद्ध भजन गायिकाएं ने मीठे मीठे भजनों के माध्यम में पंडाल में शमा बांधा व भक्ति भजनों से देवी भक्तों का मनविभोर कर दिया।जागरण कार्यक्रम मनौरी में थानाध्यक्ष पिपरी सिद्धार्थ सिंह व चायल चौकी इंचार्ज अजीत सिंह मयफोर्स मौजूद रहे मनौरी मार्ग पर आने जाने वाले वाहनों को लिंक रास्तो से डायवर्जन कर कार्यक्रम को सफल बनाया जागरण कार्यक्रम में नव युवक माँ भगवती पूजा-पाठ कमेटी के सदस्य रजत केसरवानी,पवन केसरवानी ,अजय केसरवानी, संजय केसरवानी, नीलू केशरवानी अमन केसरवानी आशुतोष केसरवानी (अंशू) रचित,किशन,वंश पीयूष एंव हिमांशू केशरवानी,एडवोकेट राजीव केसरवानी, पंकज केसरवानी, अंकित केसरवानी आदि सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने अमृत सरोवरों में पानी भरवाने के दिए निर्देश

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी की अध्यक्षता में उदयन सभागार में मनरेगा/स्वतः रोजगार योजना के अन्तर्गत राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री तथा मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण), गौशाला एवं आईजीआरएस की समीक्षा बैठक की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने जीरो पार्वती में चिन्हित परिवरों का जल्द से जल्द 100 प्रतिशत सत्यापन कराकर उन्हें लाभान्वित करायें। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के सभी आवास 100 प्रतिशत पूर्ण होने चाहिए एवं मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण के प्रथम व द्वितीय किस्त एक सप्ताह के अन्दर चली जानी चाहिए साथ यह भी चेक करें कि निर्माण कार्य किया जा रहा है कि नहीं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि ऐसे लाभार्थी जिनकों आवास बनाने का पूरा पैसा प्राप्त हो चुका है लेकिन उन्होंने निर्माण कार्य नहीं किया है ऐसे लाभार्थियों को चिन्हित कर आरसी जारी कर वसूली करने के निर्देश दिए। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की विस्तृत समीक्षा के दौरान अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक ग्राम पंचायतों में महिला स्वयं सहायता समूहों का गठन करें, जिससे गरीब परिवारों का सामाजिक एवं आर्थिक विकास हो सकें। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों की नियमित साप्ताहिक बैठक करते हुए उनको नियमित साप्ताहिक बचत, आन्तरिक लेनदेन, साप्ताहिक ऋण वापसी एवं अभिलेखों का नियमित रख-रखाव के सम्बन्ध में जानकारी दी जाय। उन्होंने कहा कि विद्युत सखी, बैक सखी एवं समूह के साथ लगातार साथ बैठक करें। उन्होंने जिला पंचायतराज अधिकारी को निर्देशित किया कि जिन अमृत सरोवरों में पानी

बैठक में अनुपस्थित पाये जाने पर पशु चिकित्सा अधिकारी भरवारी का रोका वेतन

न हो उसमें जल्द से जल्द पानी भरवाया जाय। उन्होंने गौशाला की समीक्षा करते हुए सभी बी0डी0ओ0 को गंगा/यमुना के किनारे स्थित सभी ग्राम पंचायतों में जगह चिन्हित करते हुए गौशाला बनाये जाने के निर्देश दिए, उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम को देखते हुए सभी गौशालाओं में पर्याप्त पानी की व्यवस्था होनी चाहिए। साथ ही उन्होंने जनपद के सभी चिकित्साधिकारियों को निर्देशित किया कि हरे चारे के खेती 10 हेक्टेयर तक और बढायें। बैठक में पशु चिकित्साधिकारी भरवारी डॉ0 प्रदीप के अनुपस्थित रहने पर जानकारी लेने पर बताया गया है कि अभी तक कुम्भ मेले में ही सम्बद्ध है जिस पर जिलाधिकारी ने कडी नाराजगी जताते हुए उनका वेतन रोकने का निर्देश दिया है इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अजीत कुमार श्रीवास्तव, प्रभागीय वनाधिकारी रामसिंह यादव एवं सभी विकास खण्डों के खण्ड विकास अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी सहित अन्य सम्बधित अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्य विकास अधिकारी ने की जिला स्तरीय सलाहकार समिति (डीएलआरसी) की बैठक

कौशाम्बी। मुख्य विकास अधिकारी ने उदयन सभागार में बैठक के दौरान पूर्व की बैठक में दिये गये निदेशों के अनुपालन की स्थिति की समीक्षा की और कहा कि जनपद में कार्यरत बैंको की कुल जमा धनराशि का ऋण-जमानुपात भारतीय रिजर्व बैंक के निर्धारित मानक से कम न होने पाये। उन्होंने कहा कि जिन बैंको द्वारा ऋणों के जो भी आवेदन निरस्त किये जा रहें हैं, उन पर पुनः विचार किया जाय एवं उस आवेदनकर्ता को बुलाकर जो भी कमियॉ हो, उसे दूर कर सरकार द्वारा संचालित योजनाओं से लाभान्वित करायें। उन्होंने उद्यान, मत्स्य, खादी ग्रामोद्योग एवं उद्योग विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि स्वयं भी जाकर बैंको में बात-चीत करें एवं लाभार्थियों को अपने साथ ले जाकर अधूरी कमियों को आपसी समन्वय बनाकर दूर कराते हुए उन्हें लाभान्वित करायें। उन्होंने सभी बैंकर्स को निर्देशित किया कि विभिन्न योजनाओं के ऋण आवेदनों को शीघ्र निस्तारित कर दिया जाय, कोई आवेदन लम्बित न रहने पाये। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जो भी ऋण आवेदन स्वीकृत हो गये हैं, उन्हें शीघ्र वितरित कर दिया जाय। उन्होंने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान समीक्षा करते हुए कहा कि इस योजना का उद्देश्य सूक्ष्म इकाइयों की स्थापना कर युवाओ को स्वरोजगार के अवसर देना है। इस लिए सभी बैंक इस योजना को सफल बनाने के लिए अपना योगदान दें। उन्होंने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, पीएम स्वनिधि योजना, एक जनपद-एक उत्पाद एवं स्वयं सहायता समूह आदि योजनाओं की प्रगति की समीक्षा के दौरान ऋण आवेदनों को शीघ्र निस्तारित करने तथा स्वीकृत आवेदनों को वितरित करने के निर्देश दियें।जिलाधिकारी ने अधिकारियों एवं बैंकर्स को निर्देशित किया कि आपसी समन्वय बनाकर कार्य करें, जिससे आवेदनकताओं लाभार्थियों को किसी प्रकार की समस्या न होने पाये। इस अवसर पर अग्रणी जिला प्रबन्धक रवीकान्त मौर्य सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

तेज दुपहरी में बूंद बूंद पानी को तरस रही है गांव क्षेत्र से आने वाली जनता

मशीन खरीद की रकम हड़प करके बंद बोतल का पानी पीते हैं अफसर

कौशाम्बी तपन भरी दुपहरी में आम जनता प्यासी व्याकुल दिखाई पड़ती है सरकारी कार्यालय में ठंडा पानी की मशीन लगाए जाने का निर्देश शासन प्रशासन ने दिया था और शासन प्रशासन के निर्देश के बाद लाखों की रकम खर्च करके जनपद मुख्यालय के तमाम सरकारी कार्यालय में ठंडा पानी की मशीन लगाई गई लेकिन विभाग के अफसरो की बद नियति और कमीशन खोरी के चलते ठंडा पानी की मशीन सप्लाई करने वाले ठेकेदारों ने बढ़िया क्वालिटी की मशीन का बिल लगाकर लाखों का भुगतान तो करवा लिया है लेकिन मशीन घटिया क्वालिटी की लगाई गई है जिससे सरकारी कार्यालय में ठंडा पानी की मशीन का ढांचा तो खड़ा हो गया लेकिन मशीन से पानी नहीं निकल रहा है जिससे मशीन लगाया जाना निरर्थक साबित हुआ है मशीन लगाए जाने में बड़ा कमीशन वसूल कर विभागीय अफसर मिनरल वाटर का बंद बोतल का ठंडा पानी पीकर मौज कर रहे हैं लेकिन गांव क्षेत्र से आने वाली आम जनता भीषण गर्मी में एक बोतल पानी के लिए तरसती देखी जाती है बोतल लिए प्यासे लोग इधर-उधर पानी के लिए भटकते हैं प्यासी जनता को देखकर इन अफसरो के सेहत में फर्क पड़ता नहीं दिखाई पड़ रहा है गर्मी में पानी से व्याकुल आम जनता पूरे दिन इधर-उधर भटकती दिखाई पड़ती है पहले सरकारी कार्यालय में मटका रखवा दिया जाता था लेकिन अब वह भी प्रथा बंद हो गई है पहले सरकारी कार्यालय में प्याऊ चलाए जाते थे अब वह भी प्रथा बंद हो गई है सोमवार को मंझनपुर पर विकासखंड कार्यालय में एक बोतल पानी के लिए इधर-उधर भटकते लोग दिखाई पड़े है ठंडा पानी की मशीन ब्लॉक परिसर में बीते वर्ष लगाई गई है लेकिन इस मशीन से एक बूंद पानी नहीं निकल रहा है सुबह से शाम तक इस मशीन के पास दर्जनों प्यासे लोग इस उम्मीद से पहुंचते हैं कि मशीन के ठंडा पानी से उनकी प्यास बुझ जाएगी लेकिन मशीन तो खराब खरीदी गई है जो पानी नहीं दे रही तो आमजनता की कैसे प्यास बूझेगी घटिया मशीन खरीद करने के मामले में अभी तक अफसरो ने जांच नहीं कराई है घटिया मशीन खरीद करने वाले अफसर पर मुकदमा दर्ज करके मशीन की रकम रिकवर नहीं की गई है ठेकेदार को ब्लैकलिस्टेड कर ठेकेदारों को गिरफ्तार करके जेल नहीं भेजा गया है जिससे योगी सरकार की व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़े होते हैं।

श्री राम जन्म उत्सव पर शोभायात्रा का भव्य आयोजन

तिल्हापुर कौशाम्बी तिल्हापुर मोड़ व्यापार मंडल ने श्री राम जन्म उत्सव पर शोभायात्रा का भव्य आयोजन किया विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के जिला संतसंघ प्रमुख कमलाकांत पांडे जिला मंत्री नील मणि विनीत पांडे, राम सिंह ,प्रिया त्रिपाठी ,रामचंद्र के नेतृत्व में भगवान श्री राम जन्म उत्सव शोभा यात्रा निकली गई यात्रा कौशांबी जिले के डहिया अमोसा तिल्हापुर मोड़ नेवादा सेउथा होते हुए तिल्हापुर गांव ब्रह्मचारी मंदिर में समापन हुआ। इस मौके पर व्यापार मंडल अध्यक्ष सुभाष चन्द्र केसरवानी, मदन कुमार केशरवानी वरिष्ठ उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष बांकेलाल यादव, महामंत्री संतोष सोनी, ओमप्रकाश सोनी राजेंद्र कुमार केसरवानी, मनीष कुमार केसरवानी मोहित केसरवानी, धना सोनी ,विश्व हिंदू परिषद दुर्गा वाहिनी सहसंयोजिका प्रिया त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

निपुण उपाधि और मेडल पाकर खुश हुए विधार्थी

टेढ़ीमोड़ कौशाम्बी सिराथू विकासखंड के प्राथमिक विद्यालय रामपुर धमावां में सोमवार को अभिभावक शिक्षक बैठक आयोजित की गई बैठक में सभी कक्षाओं का परीक्षाफल घोषित किया गया। कक्षा 5 की छात्रा आरुषा गुप्ता को साल भर के नियमित विद्यालय आने, अनुशासन व स्वच्छता के साथ पढ़ाई में कक्षा में भी अव्वल आने पर स्टूडेंट ऑफ द ईयर के रूप में सम्मानित किया गया। छात्रा की माता निशा गुप्ता को भी प्रधानाध्यपिका भावना शुक्ला द्वारा माल्यार्पण व पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सहायक अध्यापक दीपनारायण मिश्र द्वारा उपस्थित सभी अभिभावकों से इसी तरह अपने बच्चों को नियमित विद्यालय भेजने का आग्रह किया गया जिससे बच्चों का सर्वांगीण विकास हो सके और वह निपुण बन सकें। सभी छात्रों को छात्रा आरुषा से प्रेरित हो अगले वर्ष स्वयं स्टूडेंट ऑफ द ईयर बनने के लिए प्रयास करना चाहिए। इस कार्यक्रम में कक्षा1 व 2 के निपुण छात्रों को "मैं हूं निपुण बालक" व मैं हूँ निपुण बालिका की उपाधि देकर पुरस्कृत किया गया। कक्षा 5 के छात्रों को भी परीक्षाफल वितरित किया। सभी छात्र आपस में भावुक दिखे। छात्रों ने इस अवसर पर एक दूसरे को माला पहनाकर शिक्षकों से आशीर्वाद लिया। बैठक में उपस्थित प्रत्येक कक्षा के अव्वल छात्रों के माता पिता के साथ साथ छात्रों की माताओं को विशेष तौर पर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर एसएमसी अध्यक्ष राजकरन, उपाध्यक्ष सहित सहायक अध्यापक शशांक कुमार, मनोज उपाध्याय सहित छात्रों के माता पिता व ग्रामवासी आदि लोग उपस्थित रहे।

चोरी के मोबाइल के साथ वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

कौशाम्बी। कोखराज थाना पुलिस टीम द्वारा चोरी के मोबाइल के साथ वांछित अभियुक्त सत्यम सरोज पुत्र रंजीत उर्फ रंगबाज निवासी कोखराज को गिरफ्तार किया गया। विधिक कार्यवाही के पश्चात थाना पुलिस ने वांछित आरोपी को न्यायालय भेज दिया है।

सीओ सिराथू अवधेश विश्वकर्मा सम्मानित

कौशाम्बी। सीओ सिराथू अवधेश विश्वकर्मा को दिव्य भव्य डिजिटल महाकुम्भ मेला 2025 के सफल आयोजन एवं संचालन में अतुलनीय योगदान देने पर आईजी प्रयागराज श्री प्रेम गौतम द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया एवं उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए शुभकामनायें दी गई।

03 शातिर अपराधियों की खोली गई हिस्ट्रीशीट

कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी के निर्देशन में थाना मोहब्बतपुर पइंसा, थाना पिपरी व थाना संदीपनघाट में चोरी, लूट व नकबजनी से संबंधित 03 शातिर अपराधियों की हिस्ट्रीशीट खोली गई है।

जिलाधिकारी ने की कृषि एवं कृषि सम्वर्गीय विभागों में संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक

कौशाम्बी। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सम्राट उदयन सभागार, में कृषि एवं कृषि सम्वर्गीय विभागों में संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित किया गया। जिलाधिकारी ने सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि विगत वर्ष के सापेक्ष किये गये लाभान्वित कृषकों के सापेक्ष वर्तमान वर्ष में कम से कम 25 प्रतिशत अधिक किसानों को लाभान्वित किये जाने की योजना बनायी जाय। किसान क्रेडिट कार्ड, भूमि संरक्षाण अधिकारी विभाग द्वारा अधिक से अधिक तालाबों का निर्माण का लक्ष्य रखते हुए अधिकतम कृषकों को लाभान्वित किया जाय। पशुपालन विभाग से तालाब निर्माण व मत्स्य पालन के क्षेत्र को बढ़ाया जाय, जनपद में बागवानी हेतु केला, ऑवला, नीबू, ड्रेगन फ्रूट, पपीता व सब्जी के उत्पादन क्षेत्र को बढ़ाये जायें व कृषकों को प्रशिक्षित किया जाय। मृदा परीक्षण, जैविक खेती एवं प्रदर्शन हेतु अधिक से अधिक क्षेत्रों का चयन किया जाय। सिंचाई के प्रति कृषकों को जागरूक कर कम से कम जल के उपयोग करके अधिकतम क्षेत्र को सिंचित किया जाय जिसमें स्प्रिंकलर, सोलर, रेन गन आदि तकनीक का उपयोग किया जाय। उक्त के अतिरिक्त कृषि विभाग के अन्य सहायक विभागों यथा-जिला कृषि अधिकारी एवं जिला कृषि रक्षा अधिकारी कार्यालय को विकास भवन में शिफ्ट करने व कार्यालय स्थापित करने हेतु कमरों की व्यवस्था हेतु मुख्य विकास अधिकारी को निर्देशित किया गया। भूमि संरक्षण अधिकारी को निर्देशित किया गया कि जनपद मुख्यालय में कार्यालय स्थापित कराया जाये ताकि जनपद के कृषकों को योजनाओं की जानकारी सुगमता से उपलब्ध हो सके। जिलाधिकारी द्वारा कृषि एवं कृषि एलाइड के अन्य विभागों को किसानों को हर सम्भव लाभ दिलाये जाने हेतु यथोचित कार्यवाही करने के निर्देश दिया गया व इस हेतु माइक्रो प्लान बनाने के निर्देश दिये गये। जनपद के कृषक उत्पादक संगठनों को निर्देशित किया गया कि वे अपने उत्पाद को मार्केट में विक्रय हेतु प्रचार-प्रसार करे ताकि एफ0पी0ओ0 से जुड़े हुए किसानों की आर्थिक दशा में सुधार लाया जा सके।इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी श्री अजीत कुमार श्रीवास्तव, उप निदेशक कृषि सत्येन्द्र कुमार तिवारी,जिला उद्यान अधिकारी, जिला कृषि अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

विकसित भारत की संकल्पना पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

कौशाम्बी। करारी कस्बा स्थित रिजवी कॉलेज ऑफ लॉ में सोमवार को विकसित भारत की संकल्पना पर भाषण प्रतियोगिता और डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर की जयंती मनाई गई।इस दौरान एल एल बी चौथे सेमेस्टर के छात्र मंजीत कुमार प्रथम स्थान तो दूसरे सेमेस्टर के छात्र अनुज कुमार ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।रिजवी कॉलेज ऑफ लॉ के प्राचार्य मोहम्मद जफर ने छात्र छात्राओं को विकसित भारत संकल्पना के विषय में विस्तृत जानकारी दी। सोमवार को करारी कस्बा स्थित रिजवी कॉलेज ऑफ लॉ में विकसित भारत संकल्पना पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन व संविधान के जनक बाबा भीमराव अम्बेडकर का जन्मदिन मनाया गया।विद्यालय के छात्र छात्राओं ने भारतीय संविधान के जनक डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती हर्षोल्लाह के साथ मनाया।इस दौरान रिजवी कॉलेज ऑफ लॉ के प्राचार्य मोहम्मद जफर ने डॉ. अम्बेडकर के जीवन पर प्रकाश डालते हुए अपने संबोधन में कहा कि डॉ.अम्बेडकर का जन्म 1891 में मध्य प्रदेश के महू में हुआ।उन्होंने दलित बौद्ध आंदोलन को प्रेरित करने के साथ साथ अछूतों के अधिकारों के लिए भी काम किया। उन्होंने कोलंबिया विश्व विद्यालय और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की।वह प्रसिद्ध विधिवेत्ता, अर्थशास्त्री, राजनीतिज्ञ,लेखक और समाज सुधारक थे।उन्होंने भारतीय संविधान के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया।और देश के पहले कानून एवं न्याय मंत्री बने।मरणोपरांत उन्हें भारत सरकार ने भारत रत्न से सम्मानित किया।भीम राव अम्बेडकर जयंती उनके जीवन और कार्यों को याद करने और उनके आदर्शों को प्रोत्साहित करने का अवसर है। इसके बाद रिजवी कॉलेज ऑफ लॉ के छात्र छात्राओं ने विकसित भारत संकल्पना पर भाषण प्रतियोगिता किया।इस प्रतियोगिता में दर्जनों छात्र छात्राओं ने हिस्सा लिया।प्रतियोगिता में एल एल बी चौथे सेमेस्टर के छात्र मंजीत कुमार प्रथम स्थान हासिल किया तो दूसरे सेमेस्टर के छात्र अनुज कुमार ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।प्राचार्य मोहम्मद जफर ने आर्थिक विकास, सामाजिक न्याय, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और राजनीतिक स्थिरता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि विकसित भारत की संकल्पना एक ऐसी दृष्टि है जिसमें भारत को एक समृद्ध, शक्तिशाली और आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में देखा जाता है। यह संकल्पना भारत के नागरिकों के लिए बेहतर जीवन स्तर, आर्थिक समृद्धि, सामाजिक न्याय और राजनीतिक स्थिरता की कल्पना करती है।विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए सरकार और नागरिकों को मिलकर काम करना होगा। इसमें नीतियों और कार्यक्रमों को लागू करने, संसाधनों का उपयोग करने और सामाजिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने पर जोर दिया जाता है।इस मौके पर कार्यक्रम संचालक जकिया सुल्ताना, संगीता कपाड़िया मनीष पांडेय अंजुम आरा सहित दर्जनों छात्र छात्राऐ मौजूद रहे।

सम्पादकीय

ट्रम्प-मस्क के खिलाफ अमेरिका

जिस डोनाल्ड ट्रम्प के दूसरी बार जीतकर आने के बाद उनके शपथ ग्रहण समारोह में न्यौता पाने के लिये भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उत्सुक थे और तत्काल बाद बगैर कोई खास अवसर के अमेरिका पहुंचकर उनसे मिल आये थे, उन्हीं ट्रम्प महाशय के खिलाफ अमेरिका की जनता सड़कों पर है। ये वे ही लोग हैं जिन्होंने उन्हें दूसरी बार दुनिया के सबसे ताकतवर देश की गद्दी सौंपी थी तथा इन्हीं के भरोसे ट्रम्प तीसरी बार राष्ट्रपति बनने के लिये वहां के संविधान में संशोधन तक लाने की तैयारी कर रहे हैं। वहां के शनिवार (5 अप्रैल) को उनके खिलाफ देशव्यापी प्रदर्शन किया गया जो हाल के वर्षों का उस देश का सबसे बड़ा जन प्रदर्शन रहा। अमेरिकी नागरिक मानने लगे हैं कि उन्होंने ट्रम्प को चुनकर बड़ी गलती की है। मुख्य वजह है ट्रम्प की नीतियां जिनके बारे में वे कह रहे हैं कि इससे अमेरिका दुनिया भर में अपने सहयोगियों को खो रहा है। उनकी टैरिफ नीति के साथ सामाजिक सुरक्षा पर आसन्न खतरों को लेकर वे बेहद गुस्से में हैं।

दुनिया के सबसे अमीर एलन मस्क भी जनता के निशाने पर आ गये हैं जिन्होंने ट्रम्प के प्रचार अभियान को तो सम्हाला ही था, ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने के बाद एक तरह से वे प्रशासन में खासमखास हैं। ट्रम्प ने उन्हें डीओजीई यानी सरकारी दक्षता विभाग का प्रमुख बना दिया है जो प्रशासन कर्मचारियों की बड़ी संख्या में कटौती करने का इरादा जाहिर कर चुके हैं। यह अलग बात है कि उन्होंने हाल ही में यह पद जल्दी छोड़ देने का ऐलान किया है। तो भी, ट्रम्प की नीतियों पर मस्क का कहा बहुत चलता है। वे पद छोड़ भी दें तो भी उनका प्रभाव बना रहेगा।

इस विशाल देश के सभी 50 राज्यों में 1400 से ज्यादा स्थानों पर ट्रम्प और एलन मस्क की नीतियों के विरोध में प्रदर्शन हुए जिनमें हजारों की संख्या में अमेरिकी नागरिक 'हैंड्स ऑफ' (हमारे अधिकारों से दूर रहो) की तख्तियां लिये हुए थे जिन पर ट्रम्प व मस्क की तस्वीरें थीं। विरोध प्रदर्शनों में 150 से अधिक संगठनों ने भाग लिया। बताया गया है कि 6 लाख से ज्यादा लोगों ने प्रदर्शनकारियों के रूप में अपने नाम पंजीकृत कराये थे। इनमें सामान्य नागरिकों के अलावा मानवाधिकार व श्रम संगठन के सदस्य, समलैंगिकों के अधिकारों के समर्थक, राजनीतिक कार्यकर्ता आदि शामिल थे। यह प्रदर्शन पूर्णतः शांतिपूर्ण रहा। किसी की गिरफ्तारी की सूचना नहीं है। अमेरिका में रिपब्लिकन पार्टी को मिली सफलता के बाद ट्रम्प को राष्ट्रपति का पद सम्हाले अभी तीन माह भी नहीं हुए हैं, पर उनके कामकाज के तरीकों ने पूरे अमेरिका को नाराज कर दिया है। उनके कामों का प्रतिकूल असर न सिर्फ देश के भीतर वरन विश्व भर में पड़ने की सम्भावना है। खासकर उनकी टैरिफ नीति से, जिसे ट्रम्प द्वारा दुनिया भर के खिलाफ छेड़ा गया 'टैरिफ वॉर' कहा जा रहा है, अमेरिका को बड़ा नुकसान होने की आशंका व्यक्त की जा रही है। अमेरिका में आप्रवासियों को जिस तरह से बाहर निकाला गया उससे भी लोगों में नाराजगी है क्योंकि ट्रम्प अपने दूसरे कार्यकाल में भेदभाव की नीति अपना रहे हैं। उन्होंने अपने देश में क्रूर पूंजीवादी व्यवस्था को बढ़ावा देने की जो नीति अपनाई है ।

जजों की संपत्ति का प्रकटीकरण पारदर्शिता की ओर कदम

-ललित गर्ग-

न्यायपालिका पर जनता का भरोसा लोकतंत्र का अहम आधार है। न्यायिक प्रणाली में किसी संदेह की गुंजाइश नहीं रहे, इसके लिये न्यायपालिका में अधिक पारदर्शिता, जबावदेही एवं निष्पक्षता की जरूरत है, इसके लिये सर्वोच्च न्यायालय से निचली अदालतों तक के न्यायाधीशों को संपत्ति सार्वजनिक करने जैसे कदम उठाए जाने की अपेक्षा आजादी के अमृतकाल में तीव्रता से की जा रही थी, ताकि न्यायपालिका की पारदर्शिता को लेकर उठने वाले संदेह दूर हो सकें, यह मुद्दा जस्टिस यशवंत वर्मा के घर कथित तौर पर जली हुई नोटों की गड्डी मिलने जैसी घटनाओं और उनसे उपजे विवादों के बाद गंभीर सार्वजनिक विमर्श का बन गया था। जनचचाओं एवं आदर्श राष्ट्र-निर्माण की अपेक्षाओं को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट के न्यायधीशों ने अपनी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक करने पर जो सहमति जताई है, वह सही दिशा में उठाया गया उचित एवं प्रासंगिक कदम है। इससे न्यायपालिका में पारदर्शिता बढ़ाने में मदद मिलेगी और आम लोगों का उस पर भरोसा मजबूत होगा। देश में न्यायालयों को ऐसी संस्था के रूप में देखा जाता है, जो आम लोगों के लिए न्याय की आखिरी उम्मीद है। न्याय करने वाले न्यायाधीशों पर संदेह के बादल मंडराना न्याय-प्रक्रिया पर भरोसा कम करने का एक बड़ा कारण बनता रहा है। अब जनता की अपने पंच-परमेश्वरों की स्वच्छ-धवल छवि की आकांक्षा पूरी होते हुए दिखाई देना एक रोशनी बना है, जिससे न्याय प्रक्रिया के प्रति विश्वास ज्यादा मजबूत होगा। नया भारत बनाने एवं सशक्त भारत बनाने के लिये न्यायिक प्रक्रिया में सुधार एवं पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी ही चाहिए।

न्यायधीशों को भी अपनी संपत्ति को सार्वजनिक करने का मुद्दा बहुत पुराना रहा है। 1997 में सुप्रीम कोर्ट ने एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसके अनुसार हर न्यायाधीश को अपनी प्रॉपर्टी और देनदारियों के बारे में चीफ जस्टिस को बताना होता है। बाद में, एक और प्रस्ताव आया कि न्यायाधीश चाहें तो अपनी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक कर सकते हैं, लेकिन यह अनिवार्य नहीं, स्वैच्छिक था। पिछले लगभग तीन दशक में, यह मामला कई बार उठा है। सूचना का अधिकार लागू होने के बाद यह बहस भी हुई कि न्यायपालिका इसके दायरे में क्यों नहीं? इसके पीछे यही तर्क रहा कि किसी निजी जानकारी को तब तक साझा करने की जरूरत नहीं, जब तक उससे सार्वजनिक हित न जुड़े हों। 2010 और 2019 में जब सुप्रीम कोर्ट में यह केस आया था, तब इसी तथ्य को आधार बनाकर कहा गया कि जानकारी सार्वजनिक करना न्यायाधीशों की इच्छा पर है। एक तरह से यह व्यवस्था न्यायाधीशों को लगातार संदेहों के घेरे में रखती रही है। उम्मीद की जानी चाहिए कि सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों द्वारा संपत्ति की सार्वजनिक घोषणा का निर्णय न्यायपालिका में पारदर्शिता कायम करने वाला एक सराहनीय कदम होगा। जजों की संपत्ति सार्वजनिक करने की मांग के पीछे बड़ा तर्क भी यही दिया जाता रहा है कि जब तक जजों की संपत्ति सार्वजनिक नहीं होगी, न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के आरोपों पर ठोस कार्रवाई संभव नहीं हो सकेगी। देश में न्याय की प्रक्रिया सहज, सरल पारदर्शी एवं समानतामूलक होने के साथ आम आदमी के भरोसे वाली होनी चाहिए। इसके लिये भारत की सम्पूर्ण न्याय व्यवस्था का भारतीयकरण होना चाहिए। भारतीयकरण के लिये ईमानदारी,

निष्पक्षता, पारदर्शिता, जबावदेही आवश्यक मूल्य है।

सरकार की एक संसदीय समिति ने 2023 में सिफारिश की थी कि न्यायाधीशों के लिए संपत्ति की घोषणा अनिवार्य की जाए। हालांकि कतितय कारणों से सरकार इस मामले में आगे नहीं बढ़ी। इसका एक बड़ा कारण सरकार पर यह आरोप लगना भी बना कि सरकार न्यायपालिका में अनावश्यक राजनीतिक दखल दे रही है। लेकिन न्यायपालिका की साख के लिए उसका स्वतंत्र होना और दिखना भी जरूरी है। लेकिन सम्पत्ति की घोषणा के मामले में उन्हें अतिरिक्त सुविधा देना या उनके लिये अतिरिक्त सुविधा का होना, संदेह का कारण बनता रहा है। दरअसल, वर्तमान परिपाटी के अनुसार न्यायाधीशों के लिये निजी संपत्ति का घोषणा पत्र प्रस्तुत करना एक स्वैच्छिक परंपरा है। जिसे अनिवार्य बनाने की मांग की जाती रही है। निश्चय ही न्याय व्यवस्था के संरक्षक होने के कारण इसके स्वैच्छिक रहने पर तमाम किंतु-परंतु हो सकते हैं। यूं तो न्यायपालिका के कामकाज में कई तरह की गड़बड़ियां देखने को मिलती हैं। संपत्ति की घोषणा जैसे कई स्तरों पर न्यायिक सुधार के प्रयास आगे बढ़ाने की जरूरत नये भारत, सशक्त भारत एवं आदर्श भारत के लिये जरूरी है। अब अगर सर्वोच्च अदालत के जज खुद को भी उन कसौटियों पर कसने में नहीं हिचक रहे हैं जिन्हें वे दूसरों के लिए जरूरी मानते हैं, तो निश्चित ही इस कदम से एक सकारात्मक संदेश जरूर गया है। न्यायिक पारदर्शिता को बढ़ाने के उद्देश्य से, सुप्रीम कोर्ट के सभी 30 मौजूदा न्यायाधीशों ने अपनी संपत्ति को न्यायालय की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित करके सार्वजनिक रूप से प्रकट करने पर सहमति व्यक्त की है। यह घटनाक्रम न्यायपालिका में पारदर्शिता की कमी को लेकर बढ़ती चिंताओं के बाद हुआ है, खासकर दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा से जुड़े विवाद के बाद। जिन न्यायाधीशों ने पहले ही अपनी घोषणाएं प्रस्तुत कर दी हैं, उनमें मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई, न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी शामिल हैं। इसे फैसले को न्याय के प्रति जनता के भरोसे को और मजबूत करने के लिहाज से सही एवं सामयिक कदम के रूप में देखा जा रहा है, जो सुखद होने के साथ-साथ श्रेयस्कर न्याय-प्रक्रिया का द्योतक है। निश्चय ही यह एक सार्थक पहल ही कही जाएगी। इस नवीनतम प्रस्ताव के साथ, सुप्रीम कोर्ट ने सामूहिक रूप से संपत्ति के खुलासे को सार्वजनिक रूप से सुलभ बनाने का निर्णय लेकर जवाबदेही के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। भारत के अनेक पड़ोसी देश बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल आदि में न्यायाधीश अपनी संपत्तियों की घोषणा करते हैं। कई देशों में यह स्वैच्छिक है तो कुछ जगह अनिवार्य भी है। न्यायपालिका ही फरियाद का अंतिम पड़ाव कहा जाता है। ऐसे में न केवल सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश बल्कि न्यायपालिका के सभी स्तरों पर न्यायाधीश अपनी संपत्ति को सार्वजनिक करें तो इससे जनता को उनके प्रति विश्वास बढ़ेगा। अब तक का अनुभव बताता है कि उच्च न्यायालयों के स्तर पर भी जजों में संपत्ति को सार्वजनिक करने की प्रवृत्ति काफी कम है। मार्च 2025 तक, उच्च न्यायालयों के कुल 763 में से सिर्फ 49 न्यायाधीशों ने अपनी संपत्ति सार्वजनिक की है। न्यायपालिका में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए अभी इस दिशा में और प्रयासों की जरूरत है। निर्वाचित प्रतिनिधियों और नौकरशाहों को अपनी संपत्ति का सार्वजनिक खुलासा करना कानूनन अनिवार्य किया जा चुका है। ऐसे में आम जनमानस में धारणा बनी रहती है कि न्यायपालिका के बाबत भी कोई ऐसी पारदर्शी व्यवस्था होनी चाहिए। यह प्रश्न न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता और जबावदेही से भी जुड़ा है। यहां उल्लेख करना समीचीन होगा कि विधि एवं न्याय विभाग की संसदीय समिति ने वर्ष 2023 में न्यायाधीशों के लिये अनिवार्य रूप से संपत्ति की घोषणा की सिफारिश की थी।

संसद में वक्फ बिल के पारित होने से देश में राजनीतिक हलचल

- डॉ. ज्ञान पाठक

सबसे पहले बिहार में जेडी(यू) को नुकसान उठाना पड़ा है, जो राज्य में भाजपा की एनडीए सहयोगी है, जहां इस साल के अंत में चुनाव होने हैं। जेडी(यू) के दो वरिष्ठ नेताओं ने अपने इस्तीफे की घोषणा की है, और मुस्लिम समुदायों में पार्टी के बड़ी संख्या में कार्यकर्ता पार्टी छोड़ सकते हैं, क्योंकि उनका पार्टी पर से भरोसा उठ गया है।

भारत की संसद के दोनों सदनों में वक्फ बिल के पारित होने से तुरंत ही राजनीतिक हलचल मच गयी, जिसका असर पूरे भारत में कश्मीर से कन्याकुमारी और गुजरात से असम तक महसूस किया गया। दोनों ही पक्षों के राजनीतिक दल-विपक्षी इंडिया ब्लॉक और भाजपा के नेतृत्व वाली केन्द्र की सत्तारूढ़ एनडीए- इससेअधिकतम राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन दोनों ही पक्षों को उभरने वाली नई चुनौतियों के लिए खुद को फिर से तैयार करना होगा। सबसे पहले बिहार में जेडी(यू) को नुकसान उठाना पड़ा है, जो राज्य में भाजपा की एनडीए सहयोगी है, जहां इस साल के अंत में चुनाव होने हैं। जेडी(यू) के दो वरिष्ठ नेताओं ने अपने इस्तीफे की घोषणा की है, और मुस्लिम समुदायों में पार्टी के बड़ी संख्या में कार्यकर्ता पार्टी छोड़ सकते हैं, क्योंकि उनका पार्टी पर से भरोसा उठ गया है। जेडी(यू) ने संसद में वक्फ विधेयक का समर्थन किया था।

जेडी(यू) के वरिष्ठ नेता मोहम्मद कासिम अंसारी और पार्टी के अल्पसंख्यक विंग के राज्य सचिव मोहम्मद शाह नवाज मलिक ने जेडी(यू) सुप्रीमो नीतीश कुमार को अलग-अलग पत्र लिखकर कहा है कि मुसलमानों का पार्टी पर से भरोसा उठ गया है, जिसे वे पहले धर्मनिरपेक्ष पार्टी मानते थे।

शाह नवाज मलिक ने लिखा, 'हमारे जैसे लाखों भारतीय मुसलमानों को अटूट विश्वास था कि आप पूरी तरह से धर्मनिरपेक्ष विचारधारा के ध्वजवाहक हैं। लेकिन अब यह विश्वास टूट गया है। वक्फ विधेयक संशोधन अधिनियम 2024 के बारे में जेडीयू के रुख से हमारे जैसे लाखों समर्पित भारतीय मुसलमान और कार्यकर्ता गहरे सदमे में हैं।' मोहम्मद कासिम अंसारी ने लिखा कि वक्फ बिल 'भारतीय मुसलमानों के खिलाफ' है और इसे 'किसी भी हालत में' स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने आगे कहा कि 'यह बिल संविधान के कई मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। इस बिल के जरिये भारतीय मुसलमानों को अपमानित किया जा रहा है। न तो आपको और न ही आपकी पार्टी को इसका अहसास है। मुझे अफसोस है कि मैंने अपनी जिंदगी के कई साल पार्टी को दे दिये।' हालांकि, जेडी(यू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने यह कहकर इस्तीफों को कमतर आंकने की कोशिश की कि वे पार्टी के आधिकारिक ढांचे में नहीं हैं, लेकिन कोई भी इस बात से इनकार नहीं कर सकता कि पार्टी के अल्पसंख्यक समर्थन आधार के जेडी(यू) को छोड़ने की सबसे अधिक संभावना है। मामला यहीं नहीं रुकता, क्योंकि एनडीए के एक अन्य सहयोगी चिराग पासवान के नेतृत्व वाली एलजेपी (रामविलास) भी अपना अल्पसंख्यक समर्थन खो सकती है। अगर ऐसा होता है, तो एनडीए को बिहार में काफी नुकसान होगा। बिहार में आरजेडी और कांग्रेस को फायदा हो सकता है, वे वर्तमान में बिहार में महागठबंधन का हिस्सा हैं, जो राष्ट्रीय स्तर पर इंडिया ब्लॉक है। एलजेपी (रामविलास) और जेडी(यू) के अल्पसंख्यक आधार का अलग होना राज्य में महागठबंधन सहयोगियों की ही राजनीतिक ताकत बढ़ायेगा। बिहार में जातिगत राजनीति और ओबीसी आरक्षण के लिए इंडिया ब्लॉक की मांग का भी अतिक्ति प्रभाव पड़ सकता है, क्योंकि उनका मानना है कि नीतीश कुमार ने खुद को भाजपा के हाथों बेच दिया है, जो राज्य में जाति जनगणना का लगातार विरोध करती रही है, हालांकि यह नीतीश कुमार के मुख्यमंत्रित्व काल में किया गया था, जिसके बाद वे राजद को छोड़कर भाजपा के साथ मिल गये। आंध्र प्रदेश में एनडीए के अन्य महत्वपूर्ण सहयोगी टीडीपी और जेएसपी ने पहले ही अपने खिलाफ दबाव महसूस करना शुरू कर दिया है। दोनों ने वक्फ बिल का समर्थन किया है, जबकि मुख्य विपक्षी राजनीतिक दल वाईएसआरसीपी ने इस बिल की निंदा करते हुए कहा है कि- यह संवैधानिक गारंटी और अल्पसंख्यक अधिकारों का उल्लंघन करता है। टीडीपी और जेएसपी दोनों को इस कारण अपने अल्पसंख्यक समर्थन आधार को खोने का खतरा है। तमिलनाडु में मुख्यमंत्री और डीएमके अध्यक्ष एम के स्टालिन वक्फ बिल के सबसे कड़े आलोचकों में से एक हैं। वे 3 अप्रैल को तमिलनाडु विधानसभा में बिल के पारित होने के खिलाफ काली पट्टी बांधकर आये थे। उन्होंने यह भी घोषणा की है कि उनकी सरकार इस बिल को भारत के सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती देगी। उन्होंने यह भी कहा कि कैसे केंद्र और राज्यों में भाजपा सरकार अल्पसंख्यक मुस्लिम समुदाय को निशाना बना रही है। तमिलनाडु में भी अगले साल चुनाव होने हैं।

जबकि पूरा इंडिया ब्लॉक वक्फ बिल के विरोध में था, भाजपा नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि 2013 में यूपीए सरकार द्वारा लाया गया संशोधन 'चरम' और एक और 'तुष्टिकरण' अभ्यास था। भारत के प्रधान मंत्री ने वक्फ बिल के पारित होने को एक महत्वपूर्ण क्षण कहा, और दावा किया कि इससे हाशिए पर पड़े मुसलमानों को मदद मिलेगी। इस प्रकार भाजपा ने न केवल भाजपा के पक्ष में अधिक हिंदू ध्रुवीकरण के लिए अपनी हिंदुत्व राजनीति को आगे बढ़ाया, बल्कि मुस्लिम समुदाय को विभाजित करके कुछ लाभ प्राप्त करने की कोशिश भी की, जिसमें जोर दिया गया कि नया बिल हाशिए पर पड़े मुसलमानों के लाभ के लिए है। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने वक्फ बिल पारित करने के लिए सरकार पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा, 'हमारी पार्टी का रुख स्पष्ट है - यह विधेयक संविधान पर एक बेशर्म हमला है। यह हमारे समाज को स्थायी ध्रुवीकरण की स्थिति में रखने की भाजपा की जानबूझ कर बनायी गयी रणनीति का हिस्सा है।' उन्होंने आगे कहा कि भाजपा 'देश को रसातल में धकेल रही है, जहां हमारा संविधान केवल कागजों पर रह जायेगा।' कांग्रेस तो वक्फ विधेयक की संवैधानिकता को भारत के सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती देने की योजना भी बना रही है। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने भारत की धर्मनिरपेक्ष छवि पर वक्फ विधेयक के राजनीतिक प्रभाव के बारे में चेतावनी दी। हालांकि भाजपा को लगता है कि वक्फ राजनीति से उसे हिंदू वोटों का ध्रुवीकरण करके लाभ मिलेगा, लेकिन एनडीए में उसके सहयोगी दलों को अपना अल्पसंख्यक समर्थन खोने का खतरा है। सहयोगी दलों के बिना भाजपा को अपनी ताकत खोने का भी खतरा है, खासकर तब जब वर्तमान में उसका अस्तित्व गठबंधन की राजनीति पर निर्भर करता है।

पूरा इंडिया ब्लॉक वक्फ विधेयक के विरोध में संसद में एकजुट नजर आया, जिसने देश में भाजपा-आरएसएस के प्रभुत्व के खिलाफ संयुक्त राजनीतिक लड़ाई का रास्ता खोल दिया है। संसद के दोनों सदनों में वक्फ (संशोधन) विधेयक के पारित होने के बाद देश में2025 में राजनीतिक मंथन की उम्मीद की जा सकती है।

सरसों तेल से भरा टैंकर पलटा, पोखरी में बहा हजारों लीटर तेल, ग्रामीणों में मची लूट की होड़

अखंड भारत संदेश

गाजीपुर। जनपद में सोमवार सुबह एक बड़ा हादसा उस समय हुआ जब नंदगंज थाना क्षेत्र के नैसारे गांव के पास सरसों के तेल से भरा एक टैंकर अनियंत्रित होकर पलट गया। गनीमत रही कि इस दुर्घटना में कोई हताहत नहीं हुआ।प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि टैंकर के चालक को नींद की झपकी आने के कारण वाहन संतुलन खो बैठा और यह हादसा हुआ। टैंकर पलटते ही उसमें भरा हजारों लीटर सरसों का तेल पास की एक खाली पोखरी में बह गया। देखते ही देखते पूरी पोखरी तेल से लबालब हो गई। जैसे ही यह खबर आस-पास के गांवों में फैली, लोग बाल्टी, डिब्बा, ड्रम, बोतल, यहां तक कि अपने स्कूटर और बाइक की डिक्की तक लेकर तेल भरने दौड़ पड़े। कुछ ही समय में

पोखरी के चारों ओर भारी भीड़ जमा हो गई और लोग अपनी-अपनी क्षमता के अनुसार तेल इकट्ठा करने लगे।हादसे के तुरंत बाद टैंकर चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। पुलिसकर्मियों ने ग्रामीणों को समझाने की कोशिश की, लेकिन लोग काफी देर तक तेल भरते रहे। नंदगंज थानाध्यक्ष ने बताया कि इस मामले में अभी तक किसी पक्ष की ओर से कोई लिखित शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। पुलिस टैंकर के मालिक और चालक की पहचान करने में जुटी हुई है और पूरे मामले की जांच जारी है।यह घटना जहां एक ओर दुर्घटना की गंभीरता को उजागर करती है, वहीं दूसरी ओर ग्रामीणों की प्रतिक्रिया भी चर्चा का विषय बनी हुई है।

संचारी रोगों की रोकथाम को लेकर पंचायत सचिवों के साथ समीक्षा बैठक, विकास योजनाओं की भी हुई समीक्षा

गाजीपुर। जनपद के विकास खंड मुहम्मदाबाद कार्यालय के सभागार में सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) अशोक कुमार की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मुख्य रूप से संचारी रोगों की रोकथाम, लर्निंग लैब, आर.आर.सी. केंद्र तथा अन्य ग्रामीण विकास से संबंधित मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

अशोक कुमार ने क्षेत्र में संचालित विकास कार्यों की स्थिति का जायजा लेते हुए उपस्थित पंचायत सचिवों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने ग्राम पंचायतों में संचारी रोगों की रोकथाम के लिए प्रभावशाली कदम उठाएं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि गांवों में नियमित रूप से एंटी लार्वा दवा का छिड़काव, नालियों की सफाई, कचरा निस्तारण एवं जनजागरूकता अभियान चलाकर इन रोगों पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी ग्राम में संचारी रोगों को लेकर कोई समस्या उत्पन्न होती है तो उसकी सूचना तत्काल संबंधित स्वास्थ्य विभाग को दी जाए, ताकि समय रहते आवश्यक कदम उठाए जा सकें और समस्या को बढ़ने से रोका जा सके। बैठक के दौरान लर्निंग लैब और आर.आर.सी. (रिसोर्स एंड रिसर्च सेंटर) केंद्रों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे इन केंद्रों की गतिविधियों में तेजी लाएं और स्थानीय ग्रामीणों को अधिक से अधिक लाभ पहुंचाने का प्रयास करें। उक्त समीक्षा बैठक में विकासखंड के अंतर्गत आने वाले सभी 89 ग्राम पंचायतों के सचिव उपस्थित रहे। बैठक में विभिन्न योजनाओं की अद्यतन स्थिति और उनके क्रियान्वयन की रणनीति पर भी विचार-विमर्श किया गया।

बैठक का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में संचारी रोगों के प्रभाव को न्यूनतम करना और समग्र विकास योजनाओं को धरातल पर प्रभावी ढंग से लागू करना रहा।

मजदूरी मांगना पड़ा भारी, दबंगों ने दो मजदूरों पर किया चाकू से हमला

अखंड भारत संदेश

गाजीपुर। स्थानीय थाना कोतवाली अंतर्गत परानपुर गांव में मजदूरी मांगना दो मजदूरों को उस वक्त महंगा पड़ गया, जब दबंगों ने चाकू से उन पर जानलेवा हमला कर दिया। घायल मजदूरों को गंभीर अवस्था में वाराणसी ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, परानपुर निवासी शिव राजभर और राजन राजभर ने लट्ठूडीह में मजदूरी का कार्य किया था। जब वे अपनी मेहनताना मांगने पहुंचे तो कहासुनी के बाद उन पर हमला कर दिया गया। आरोप है कि हमलावरों ने पहले दोनों की बेरहमी से पिटाई की और फिर चाकू से पेट व चेहरे पर वार किए।घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और घायलों को स्थानीय कोतवाली ले गए। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा, जहां से हालत गंभीर होने के कारण वाराणसी ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया।घटना की तहरीर संजय राजभर ने दी, जिसके आधार पर नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है, वहीं गांव में घटना को लेकर भारी आक्रोश व्याप्त है।

धान्य से धन्य हुआ कपसेठी : खेत में उतरे डीएम, खुद की क्रॉप कटिंग

- किसानो के चेहरे पर मुस्कान
- प्रति हेक्टेयर 43 क्विंटल उत्पादन

अखंड भारत संदेश

खेत में फसल काटते डीएम

चित्रकूट। जिले के किसानों को उस समय एक अलग ही अनुभव हुआ जब डीएम शिवशरणप्पा जीएन खुद खेत में उतर आए और कंधे से कंधा मिलाकर गेहूं की फसल की कटाई की। ये कोई साधारण क्रॉप कटिंग नहीं थी, बल्कि किसानों को यह दिखाने की एक पहल थी कि प्रशासन अब सिर्फ दफ्तरों तक सीमित नहीं, बल्कि खेत की मिट्टी से भी जुड़ा है।

कपसेठी गांव के कृषक मतगंजन प्रसाद के खेत में हुई इस क्रॉप कटिंग में 103 मीटर के त्रिकोणीय क्षेत्र (रकबा 0.489 हेक्टेयर) में कटाई कर 19 किलो गेहूं प्राप्त हुआ। इस आधार पर प्रति हेक्टेयर 43 क्विंटल का अनुमानित उत्पादन दशार्या गया। यह आंकड़ा चित्रकूट के किसानों के लिए आशा की नई किरण बनकर उभरा। इस मौके पर डीएम ने गांव के ग्राम प्रधान रिशु सिंह से संवाद करते हुए गत वर्षों के उत्पादन की भी जानकारी ली, जिसमें सामने आया कि उत्पादन की स्थिरता किसानों की निरंतर मेहनत का परिणाम है। डीएम ने बताया कि जिले में 40 गेहूं क्रय केंद्र स्थापित किए गए हैं, जिनमें से 25 केंद्रों पर खरीद शुरू हो चुकी है। किसानों से अपील की कि सरकार के घोषित 2425 प्रति क्विंटल एमएसपी पर अपने उत्पाद बेचें और किसी भी दलाल या बिचौलिये के चक्कर में न फंसें। इस मौके पर न केवल खेतों में गेहूं की बालियां झूम रहीं थीं, बल्कि किसानों के चेहरों पर मुस्कान भी लहलहा रही थी। कार्यक्रम में तहसीलदार चन्द्रकान्ता सिंह, एएसओ संतोष कुमार, लेखपाल राजेश वर्मा, ग्राम प्रधान रिशु सिंह समेत अन्य मौजूद थे।

चित्रकूट में संदिग्ध आग, फैक्ट्री में लाखों का नुकसान, बीमा क्लेम की आशंका

- मालिक पर लोगों ने उठाए सवाल

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिले के पवन चौराहे पर स्थित प्राइवेट लिमिटेड में रविवार रात को एक भीषण आग ने सब कुछ तबाह कर दिया। फैक्ट्री, जो मसाला, आटा, नमकीन और ड्राई फूड का उत्पादन करती थी, आग में पूरी तरह से जल गई। घंटों की मशक्कत के बाद चार दमकल गाड़ियों ने आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक गोदाम में रखा लाखों रुपये का खाद्य सामग्री जलकर राख हो चुका था।

आग के कारण लगभग करोडों. का नुकसान होने का अनुमान लगाया जा रहा है। फैक्ट्री का पूरा गोदाम जलकर राख हो गया, जिसमें मसाले, ड्राई फूड और अन्य खाद्य सामग्री शामिल थी। मालिक ने पहले ही बैंक से करोड़ों रुपये का लोन लिया था, जिससे कई सवाल खड़े हो रहे हैं। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि आग भड़कने के दौरान फैक्ट्री मालिक वीडियो बना रहे थे, जिससे यह अनुमान लगाया जा रहा है कि आग जानबूझकर लगाई गई हो सकती है। बीमा क्लेम का फायदा उठाने की संभावनाओं को लेकर लोगों ने गंभीर आरोप लगाए हैं। कुछ लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि मालिक की भूमिका विगत दिनों से संदिग्ध नजर आ रही थी। स्थानीय लोग भी आग लगने की घटना पर सवाल उठा रहे है। पुलिस ने इस मामले को संदिग्ध मानते हुए जांच शुरू कर दी है, लेकिन अब तक आग लगने के वास्तविक कारणों का पता नहीं चल पाया है। यह घटना न केवल एक बड़े नुकसान की ओर इशारा करती है, बल्कि यह सवाल भी खड़ा करती है कि कहीं यह एक साजिश तो नहीं थी, ताकि बीमा क्लेम के तहत मालिक को लाभ मिल सके। ऐसे मामलों में जहां लाभ की संभावना हो, वहां जांच और भी अधिक अहम हो जाती है।

आग व बीमा घोटाले : मोडस ऑपरेन्डी

जब कोई कंपनी या फैक्ट्री के मालिक को भारी घाटा होता है, तो अक्सर ऐसे मामले सामने आते हैं, जहां आग लगने के बाद बीमा की रकम प्राप्त करना एक सामान्य तरीका बन जाता है। कई घटनाओं में यह देखा गया है कि नुकसान की भरपाई के लिए जानबूझकर आग लगाई जाती है, ताकि बीमा क्लेम से वित्तीय संकट से उबरा जा सके। यह एक साजिश के तहत घटित होने वाली घटना हो सकती है। जिसमें मालिक नुकसान का फायदा उठाने के लिए अपने ही संस्थान को आग के हवाले कर देता है। ऐसे मामलों में पुलिस व जांच एजेंसियों की भूमिका अहम होती है, ताकि सही कारणों का पता चल सके और आरोपियों पर कार्रवाई की जा सके।

न्यूज झरोखा

आगजनी पीड़ितों को राहत देने को विधायक ने बढ़ाया हाथ

चित्रकूट। सदर विधायक अनिल प्रधान ने ग्राम पंचायत भदेदू में 05 अप्रैल को हुए आगजनी के बाद पीड़ित परिवारों को तत्काल राहत प्रदान की। इस आगजनी में 32 से ज्यादा परिवारों के घर व सम्पत्ति जलकर राख हो गए थे। विधायक जी ने घटना की सूचना पर उसी रात घटनास्थल का दौरा किया व पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी। आज सोमवार को विधायक प्रधान ने पीड़ित परिवारों को 5000 रूपए की आर्थिक मदद दी और दो बच्चियों की शादी के लिए भी 5000 रूपए की सहायता दी। जिसमें विधायक ने सभी पीड़ितों को आश्वस्त किया कि वह हरसंभव मदद करेंगे और सीएम समेत अन्य अधिकारीगण को पत्र लिखकर मदद की अपील की। पत्र में लिखा कि गर्मी में पन्नी के नीचे रहना व बरसात के मौसम में स्थिति और गंभीर हो सकती है। इसलिए उन्होंने इन परिवारों के लिए आवास और राशन की व्यवस्था कराने की मांग की। साथ ही, सीएम राहत कोष से प्रत्येक परिवार को 10 लाख रूपए की आर्थिक सहायता देने की बात कही। साथ ही, विधायक ने कादरगंज मजरा अलमा पुरवा में भी आगजनी से प्रभावित फूलचंद्र, प्रेमचंद्र, नेमचंद्र, रामचंद्र, और शिवचंद्र के परिवारों के लिए आवास योजना का लाभ व पूर्णक्षति का मुआवजा दिलवाने की मांग की। समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं के साथ मिलकर विधायक ने पीड़ितों को मानवीय मदद दी व उन्हें भविष्य में भी सहायता का भरोसा दिलाया।

रामनवमी पर बरगढ़ में भक्ति का महापर्वः भगवा रंग में रंगा नगर

बरगढ़/चित्रकूट। बरगढ में रामनवमी के पावन अवसर पर भक्ति, आस्था और उल्लास की एक अद्वितीय मिसाल पेश की। रविवार को नगर की सड़कों पर जब भव्य शोभायात्रा निकली, तो हर गली, हर चौराहा और हर घर ष्जय श्रीरामष् के नारों से गूंज उठा। पूरा बरगढ़ भगवा रंग में रंगा नजर आया और हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने इस शोभायात्रा में सहभागिता कर धर्म और संस्कृति की गहराई को जीवंत कर दिया। शोभायात्रा की भव्यता देखते ही बनती थी। नन्हें-मुन्ने बच्चों द्वारा राम, लक्ष्मण, सीता और हनुमान के रूप में सजकर निकाली गई झांकियां श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनीं। फूलों की वर्षा और जगह-जगह भक्तों द्वारा किया गया स्वागत इस धार्मिक यात्रा को स्वर्गिक बना गया। साहसिक करतबों ने युवाओं के जोश और भक्ति को प्रदर्शित किया और दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। शोभायात्रा नगर के मुख्य मार्गों से होती हुई ऐतिहासिक रामलीला मैदान तक पहुंची, जहां श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। पूरे आयोजन को शांतिपूर्ण व सुरक्षित रखने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। शोभायात्रा में पूर्व प्रधान प्रकाश चंद्र केशरवानी, अमर चंद्र अग्रवाल, लवकुश तिवारी, सूखेन जायसवाल, विनीत केशरवानी, अंकुश केशरवानी, काली रस्तोगी, वैभव अग्रवाल, नीरज जैन, पियूष केशरवानी, बाबू जैन, मोहित केशरवानी, अमन गर्ग, शुभम द्विवेदी समेत हजारों श्रद्धालु मौजूद रहे।

चित्रकूट रेलवे स्टेशन पर दिल दहला देने वाली घटना : हार्ट अटैक से जूझता यात्री

- मदद को 30 मिनट तक तड़पता रहा
- आपातकालीन सेवा की खुली पोल

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। रेलवे स्टेशन पर एक दिल दहला देने वाली घटना ने सभी को चौंका दिया है। संपर्कक्रांति ट्रेन से धर्मनगरी पहुंचे एक यात्री को कर्वी रेलवे स्टेशन पर अचानक हार्ट अटैक आ गया। लेकिन सबसे दुखद बात यह रही कि वह व्यक्ति लगभग 30 मिनट तक अपनी जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष करता रहा, जबकि कोई भी मदद के लिए सामने नहीं आया।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में एक महिला को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि यहां एक भी इमरजेंसी एम्बुलेंस नहीं है। यह वीडियो न सिर्फ स्थानीय प्रशासन की निष्क्रियता, बल्कि रेलवे विभाग की आपातकालीन सेवाओं की खामियों को भी उजागर करता है। एक प्रमुख रेलवे स्टेशन पर किसी यात्री को इस तरह का इलाज न मिलना न केवल रेलवे की लापरवाही का उदाहरण है, बल्कि यह सवाल भी खड़ा करता है कि क्या यात्रियों की सुरक्षा को लेकर कोई गंभीर प्रयास किए जा रहे हैं?

चित्रकूट जैसे धार्मिक स्थल पर जहां लाखों यात्री आते हैं, वहां इस प्रकार की घटनाएं एक गंभीर चिंता का विषय हैं। यह घटना न केवल चित्रकूट के प्रशासन की नाकामी को उजागर करती है, बल्कि यह भी दिखाती है कि किसी भी आपातकालीन स्थिति में त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया कितना महत्वपूर्ण है। इस पूरे मामले पर रेलवे विभाग का कहना है कि संबंधित अधिकारियों को सूचित किया गया है और जीआरपी को मौके पर स्थिति का आकलन करने के निर्देश दिए गए हैं।

अग्निपीड़ितों से कांग्रेसियों ने की मुलाकात

चित्रकूट। कांग्रेस पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने सोमवार को जिलाध्यक्ष कुशल सिंह पटेल के नेतृत्व में राजापुर तहसील क्षेत्र के भदेहदु ग्राम पंचायत में अग्निपीड़ित परिवारों से मुलाकात की। जिलाध्यक्ष ने कहा कि आग से गरीब बस्ती में भारी नुकसान हुआ है। शासन द्वारा अग्निपीड़ितों को जो मदद की गई है, वह नाकाफी है। उन्होंने सरकार की मांग की कि प्रत्येक पीड़ित परिवार को पक्का आवस और पांच-पांच लाख रुपये मुआवजा दिया जाए। इस मौके पर वरिष्ठ कौंग्रेस नेता गज्जू प्रसाद फौजी, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष कामता प्रसाद द्विवेदी, वरिष्ठ नेता वीरेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

मऊ-मानिकपुर में सपा का पॉवर प्ले, विरोधी खेमें में खलबली

- सपा ने दी शह-मात
- पीडीए बिसात पर सपा की चाल

निरंजन पाण्डेय

सपा में अखिलेश यादव संग दद्दू प्रसाद

चित्रकूट। जिले की सियासत में एक बार फिर समाजवादी पार्टी ने बड़ा राजनीतिक दांव चलते हुए विपक्षी खेमे में खलबली मचा दी है। मऊ-मानिकपुर विधानसभा क्षेत्र से तीन बार विधायक व प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री रह चुके वरिष्ठ नेता दद्दू प्रसाद अब सपा की सदस्यता ले चुके हैं। बसपा के कद्दावर नेताओं में शुमार रहे दद्दू प्रसाद का सपा में आना सिर्फ एक पार्टी परिवर्तन नहीं, बल्कि सियासी धरातल पर एक बड़ा समीकरण है - पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) की राजनीति का सशक्तिकरण।

दद्दू प्रसाद जैसे वरिष्ठ दलित नेता का सपा से जुड़ना महज दल-बदल नहीं, बल्कि मऊ-मानिकपुर क्षेत्र में जातीय समीकरणों को पूरी तरह से पलटने वाली चाल है। यह सीट वर्तमान में अपना दल के कब्जे में है, लेकिन अब समीकरण तेजी से सपा के पक्ष में झुकते नजर आ रहे हैं। जिले में वैसे भी सियासी लड़ाई दो ही प्रमुख दलों- सपा व भाजपा-के बीच है। ऐसे में दद्दू प्रसाद का सपा में आना, भाजपा खेमे व उनके सहयोगियों के लिए एक बड़ी चुनौती बन सकता है। पीडीए विंग को और धार देने के लिए सपा ने इस कदम के जरिए यह संदेश भी दे दिया है कि अब उसकी राजनीति सिर्फ नारों तक सीमित नहीं, बल्कि जमीन पर मजबूत सामाजिक गठजोड़ के जरिए सत्ता तक पहुंचने की रणनीति पर आधारित है। दद्दू प्रसाद का जनाधार खासकर दलित व ग्रामीण क्षेत्रों में बेहद मजबूत है, और अब वो सपा के साथ खड़े होकर न सिर्फ पुराने समर्थकों को जोड़ेंगे, बल्कि भाजपा और अपना दल की नींदें भी हराम करेंगे।

इस चाल से साफ है कि सपा ने मऊ-मानिकपुर की सियासी बिसात पर शह-मात का खेल शुरू कर दिया है, जिसमें पहला मूव ही विरोधियों को बैकफुट पर ले आया है। पीडीए का यह नया समीकरण आने वाले चुनावी रण में सपा के लिए गेमचेंजर साबित हो सकता है।

संस्कार, शिक्षा व समर्पण की त्रिवेणी बना प्राथमिक विद्यालय चकजाफर का वार्षिकोत्सव

अखंड भारत संदेश

बच्चों को सम्मानित करतें अधिकारी

चित्रकूट। पहाड़ी क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय चकजाफर में रविवार को शिक्षा, संस्कार और समर्पण की अनूठी मिसाल देखने को मिली। स्कूल चलो अभियान में वार्षिकोत्सव, प्रवेशोत्सव एवं शारदा संगोष्ठी का आयोजन अत्यंत भव्य और प्रेरक रहा। इस मौके पर मुख्य अतिथि जिला बेसिक शिक्षाधिकारी बीके शर्मा ने विद्यालय की रैली को हरी झंडी दिखाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों को उनकी उपलब्धियों के लिए पुरस्कृत किया गया, जिससे न केवल वे प्रोत्साहित हुए, बल्कि अन्य छात्र भी प्रेरित नजर आए। स्टार ऑफ द चाइल्ड की श्रेणी में अव्वल रहने वाले छात्र-छात्राओं के अभिभावकों को शाल और श्रीफल से सम्मानित किया गया, जिसमें श्रीमती सविता देवी को विशिष्ट सम्मान प्राप्त हुआ। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका श्रीमती शिल्पा चौहान ने बताया कि स्कूल बच्चों के सर्वांगीण विकास को गतिविधि आधारित शिक्षण को प्राथमिकता देता है, जिसमें अभिभावकों की सहभागिता और संवाद को विशेष महत्व है।

बीएसए बीके शर्मा ने कहा कि जहाँ मेहनत होती है, वहाँ ईश्वर का वास होता है। उन्होंने विद्यालय स्टाफ की कार्यशैली की खुले दिल से सराहना की और अभिभावकों से अपील की कि वे शासकीय विद्यालयों पर भरोसा करें, क्योंकि यहां कार्यरत शिक्षक निजी स्कूलों से कहीं अधिक समर्पित व योग्य हैं। कार्यक्रम की सफलता में धीरेंद्र कुमार, नोडल संकुल शिक्षक हीरालाल सिंह, विद्यालय प्रबंध समिति अध्यक्ष सतेंद्र सिंह, उपाध्यक्ष श्रीमती सुधा देवी, एवं अन्य सदस्यों का विशेष योगदान रहा।

शैक्षिक विवरणों में त्रुटि सुधार का 9 अप्रैल तक

लापरवाही पड़ेगी भारी

चित्रकूट। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद प्रयागराज के हाईस्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षा 2025 में सम्मिलित छात्र-छात्राओं के शैक्षिक विवरणों में शेष किसी भी प्रकार की त्रुटि जैसे नाम, माता-पिता का नाम, जन्मतिथि, लिंग, जाति, फोटो या विषय से संबंधित संशोधन को 7 अप्रैल से 9 अप्रैल 2025 तक पोर्टल खुला रहेगा। यह कार्य 9 अप्रैल की शाम 6 बजे तक अवश्य पूर्ण करें। यदि कोई विद्यालय नियत तिथि तक संशोधन आवेदन पोर्टल पर प्रस्तुत नहीं करता और बाद में संशोधन की अपेक्षा करता है, तो उसे 26 दिसंबर 2025 के शासनादेश अनुसार मान्यता शर्तों के प्रस्तर-18 की परिशिष्ट ख के अंतर्गत दण्डित किया जाएगा।

पुरवा तरौंहा के बच्चों ने रचा शिक्षा का नया इतिहास

- मेधावियों को मिला सम्मान

अखंड भारत संदेश

बच्चों को सम्मानित करते पूर्व विधायक

चित्रकूट। शिक्षा की रोशनी जब समर्पण से मिलती है, तो परिणाम उम्मीद से कहीं आगे निकल जाते हैं। ऐसा ही दृश्य कंपोजिट विद्यालय पुरवा तरौंहा में उस समय नजर आया, जब विद्यालय प्रांगण में वार्षिकोत्सव और मेधावी छात्र-छात्रा सम्मान समारोह हुआ। यह कार्यक्रम सिर्फ सम्मान का नहीं, प्रेरणा और परिवर्तन की कहानी कहता दिखा।

कार्यक्रम में उन छात्रों को विशेष रूप से पुरस्कृत किया गया जिन्होंने शैक्षणिक सत्र में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। साथ ही, नियमित उपस्थिति दर्ज करने वाले बच्चों को भी सम्मानित कर यह संदेश दिया गया कि अनुशासन ही सफलता की नींव है। इको क्लब के नवाचारों को भी सराहा गया व उनकी टीम को पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया। विद्यालय की होनहार छात्रा आकांक्षा व छात्र अजीत को टॉपर शील्ड से सम्मानित किया गया।

इस भव्य समारोह के मुख्य अतिथि रहे पूर्व विधायक मऊ-मानिकपुर आनंद शुक्ला, जबकि विशिष्ट अतिथियों के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष महेन्द्र कोटार्य एवं प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष अखिलेश पांडे मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बीके शर्मा ने की। अतिथियों को विद्यालय की गतिविधियों का सजग और संकल्पित कोलाज स्मृति-चिह्न के रूप में भेंट किया गया। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान मोहनलाल वर्मा, एसएमसी सदस्य, और विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

विशेष लोक अदालत का आयोजन 26 को

बाँदा। अपर जिला जज /सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जनपद न्यायालय श्रीपाल सिंह ने बताया है कि सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि माननीय राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निदेर्शानुसार आगामी दिनांक 26 अप्रैल, दिन शनिवार को माननीय जनपद न्यायाधीश / अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बांदा डा० बब्बू सारंग की अध्यक्षता एवं निर्देशन में विद्युत अधिनियम, 2003 के अर्न्तगत लम्बित शमनीय दाण्डिक मामलों एवं लघु आपराधिक वादों (ढी३३८ डाील्लरो) के अधिक से अधिक निस्तारण हेतु विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। उक्त के सम्बन्ध में समस्त अधिवक्ताओं व वादकारियों से अपील है कि दिनांक 26 अप्रैल, दिन शनिवार को आयोजित होने जा रही विद्युत अधिनियम, 2003 के अर्न्तगत लम्बित शमनीय दाण्डिक मामलों एवं लघु आपराधिक वादों हेतु विशेष लोक अदालत में अपने-अपने वादों को नियत कराकर समझौते के आधार पर निस्तारित कराकर इस अवसर का लाभ उठायें।

भदेहदू अग्निकांड में सपा का मरहम बांटी समाजवादी सहायता किट

पीडितों को सहायता देते सपाई

चित्रकूट। समाजवादी पार्टी कार्यालय तुलसी मार्केट बस स्टैंड कर्वी में सोमवार को पार्टी की मासिक बैठक की गई, जिसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष शिव शंकर सिंह यादव ने की। बैठक का संचालन नरेंद्र यादव ने किया। बैठक में 14 अप्रैल को भारत रत्न बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जयंती के मौके पर प्रदेश नेतृत्व ने निर्देशित किए गए स्वाभिमान सम्मान समारोह की तैयारी पर चर्चा हुई। यह समारोह 8 अप्रैल से 14 अप्रैल तक मनाया जाएगा। साथ ही, बाबा साहब वाहिनी के जिलाध्यक्ष रहे रामकिशोर कुरील को बाबा साहब वाहिनी का प्रदेश उपाध्यक्ष बनाए जाने पर कार्यकताओं व नेताओं ने उनका स्वागत कर उन्हें फूल मालाओं से सम्मानित किया।

विगत 5 अप्रैल 2025 को भदेहदू गांव की दुखद घटना के बाद समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष शिव शंकर सिंह यादव के नेतृत्व में जिला संगठन के पदाधिकारियों और नेताओं ने प्रभावित परिवारों के लिए राशन और दैनिक उपयोग की सामग्री समाजवादी किट के रूप में पहुंचाई, जिससे पार्टी ने मानवता की मिसाल पेश की। यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी पीडीए के हर वर्ग के साथ मजबूती से खड़ी रहेगी और उनके हर दुख दर्द में शामिल रहेगी। जिन बेटियों की शादी होनी थी, उनकी शादी में पार्टी हर संभव मदद करेगी। साथ ही, जिला प्रशासन पर आरोप लगाते हुए श्री यादव ने कहा कि प्रशासन की मदद ऊंट के मुंह में जीरा जैसी है। आवास आवंटन में भेदभाव हो रहा है और कुछ हजार रुपए की मदद से प्रशासन केवल लोगों के जले पर नमक छिड़कने का काम कर रहा है।

पत्रकारों पर भड़का बैंक मैनेजर, गाली-गलौज व जान से मारने की दी धमकी

चित्रकूट। जिले में सोमवार को पत्रकारिता पर एक शर्मनाक हमला हुआ, जब एक दैनिक अखबार के संपादक व ब्यूरो चीफ पर यूको बैंक के मैनेजर ने गाली-गलौज करते हुए हमला बोल दिया और खुलेआम जान से मरवाने की धमकी दे डाली। पत्रकारों का अपराध सिर्फ इतना था कि वे एक गंभीर आरोप-कमीशनखोरी-पर उनका पक्ष जानने पहुंचे थे। दैनिक अखबार के संपादक भानू प्रताप ने आरोप लगाया कि जब वह अपने ब्यूरो चीफ राजेंद्र पटेल के साथ जब वर्जन लेने यूको बैंक पहुंचे, तो मैनेजर ललित गुप्ता का पारा सातवें आसमान पर जा पहुंचा। सवाल पूछने पर मैनेजर न सिर्फ भड़क गया, बल्कि पत्रकार को अपशब्द कहता हुआ जान से मारने की धमकी देने लगा। पत्रकारों का आरोप है कि जब वे इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो बनाने लगे, तो मैनेजर ने संपादक पर हमला कर दिया और सहयोगी पत्रकार राजेंद्र पटेल का मोबाइल छीनकर पटक दिया, जिससे वह टूट गया और उन्हें चोटें भी आईं।

घटना के बाद पत्रकारों ने कोतवाली में तहरीर दी है और सीसीटीवी फुटेज में यह घटना साफ-साफ रिकॉर्ड भी हुई है। वहीं, मैनेजर ललित गुप्ता ने सफाई देते हुए कहा है कि संबंधित पत्रकारों के तीन लोन लंबित हैं और वे अतिरिक्त लोन के लिए जबरदस्ती दबाव बना रहे थे। मोबाइल गिरने की घटना को उन्होंने गलती से हाथ लगने का नतीजा बताया और रिपेयर कराने की बात कही। आगे बताया कि मारपीट व गाली गलौज नही हुई। लेकिन सवाल है-क्या किसी बैंक अधिकारी को पत्रकारों से सवाल पूछने पर उन्हें धमकाने, अपमानित करने व हमला करने का हक है? प्रशासन से मांग है कि इस मामले में निष्पक्ष जांच हो और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

सेवा, समर्पण व संगठन का संकल्प : स्थापना दिवस पर गूंजा जय भाजपा-विजय भाजपा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। भारतीय राजनीति के बड़े संगठनों में से एक भारतीय जनता पार्टी ने अपना 46वां स्थापना दिवस पूरे जोश और गर्व के साथ मनाया। इस मौके पर जनपद चित्रकूट की ग्राम पंचायत गढ़चपा के बूथ संख्या 299 एवं 300 पर भाजपा कार्यकताओं ने सेवा ही संगठन के मंत्र को जीवंत किया।

कार्यकताओं ने एकजुट होकर मां भारती की सेवा में भाजपा के योगदान को याद किया और संकल्प लिया कि अंत्योदय के सिद्धांत को आत्मसात करते हुए राष्ट्र निर्माण की दिशा में अपनी भूमिका और भी सशक्त बनाएंगे। स्थापना दिवस के अवसर पर कार्यकताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में देश और प्रदेश में हो रहे सकारात्मक परिवर्तनों की चर्चा की और सबका साथ, सबका विश्वास, सबका प्रयास के संकल्प को दोहराया। कार्यक्रम में भाजपा का जयघोष करते हुए कार्यकताओं ने संगठन की शक्ति का परिचय दिया व नवनिर्माण के पथ पर पार्टी को और मजबूती से आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। यह आयोजन केवल उत्सव नहीं, बल्कि एक राजनीतिक ऊर्जा संचयन का क्षण था, जहां बूथ स्तर पर संगठन की जड़ों को और मजबूत किया गया। कार्यक्रम की अगुवाई कर रहे भाजपा किसान मोर्चा के मंडल अध्यक्ष अनूप सिंह, भाजपा नेता एवं जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि अरुण सिंह बघेल उर्फ मिंटू सिंह, केशव शुक्ला, मनीष सिंह, बुद्ध विलास शुक्ला समेत दर्जनों समर्पित कार्यकर्ता इस आयोजन में शामिल हुए।

बांग्लादेश में बर्खास्त बीडीआर जवानों का प्रदर्शन, नौकरी बहाली और मुआवजे की मांग

ढाका। बांग्लादेश राइफल्स (बीडीआर) के सैकड़ों बर्खास्त जवानों ने रविवार को ढाका में प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने नौकरी की बहाली और मुआवजे की मांग उठाई। यह प्रदर्शन बीजीबी (बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश) मुख्यालय के पिलखाना गेट के सामने किया गया। प्रदर्शनकारियों में अधिकतर वे जवान शामिल थे, जिन्हें 2009 की पिलखाना हत्याकांड के बाद सेवा से बर्खास्त कर दिया गया था। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उस हत्याकांड में कुल 74 लोग मारे गए थे, जिनमें 57 सैन्य अधिकारी शामिल थे। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन ने इलाके में बड़ी संख्या में पुलिस, सेना और बीजीबी बल तैनात किए। एक अधिकारी ने बताया कि प्रदर्शनकारी बीजीबी मुख्यालय के सामने फुटपाथ पर बैठे हैं और हम उनसे बातचीत करने की कोशिश कर रहे हैं। बांग्लादेश की स्थानीय अखबार 'प्रोथोम अलो' की रिपोर्ट के अनुसार, 25 फरवरी 2009 को 'बीडीआर वीक' के दौरान पिलखाना मुख्यालय के दरबार हॉल में सैकड़ों जवानों ने हथियारबंद विद्रोह किया था। बाद में बातचीत के माध्यम से यह विद्रोह शांत कराया गया और हथियार, गोला-बारूद तथा ग्रेनेड सरकार को सौंप दिए गए।

इस मामले में अब तक 152 लोगों को मौत की सजा, जबकि 423 को कैद की सजा सुनाई गई है। साथ ही, 5,926 जवानों को 57 अलग-अलग मामलों में चार महीने से सात साल तक की कैद की सजा दी गई है। हाल ही में ढाका में हुए एक स्मृति समारोह में बांग्लादेश सेना प्रमुख जनरल वाकर-उज-जमान ने इस मामले की निष्पक्ष सुनवाई में बाधा न डालने की अपील की थी। उन्होंने दोहराया कि यह जघन्य कांड तत्कालीन बीडीआर के जवानों द्वारा ही अंजाम दिया गया था। हाल के महीनों में बर्खास्त जवानों और उनके परिवारों द्वारा फैसले को रद्द करने, जेल में बंद साथियों की रिहाई और न्याय की मांग को लेकर कई बार प्रदर्शन किया गया है। यह मुद्दा बांग्लादेश की राजनीति और सैन्य प्रशासन के बीच एक संवेदनशील विषय बना हुआ है।

सऊदी अरब पर टूट पड़े भारत के मुसलमान, काली पट्टी बांधकर विरोध, दुनिया हैरान!

सऊदी अरब 1925 में सऊदी किंग आले सऊद ने मदीना में मौजूद जन्नतुल बकी कब्रिस्तान तुड़वा दिया था। इस कब्रिस्तान में रसूल-ए-इस्लाम की बेटी और दूसरे इमामों की कब्रें हैं। शिया समुदाय सऊदी अरब में तुड़वाए गए मजारों को दोबारा बनाने की मांग करता रहा है और इसके लिए हर साल शिया मुसलमान सऊदी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते हैं।

सुन्नी इस्लाम के सबसे बड़े प्रतीक सऊदी अरब के खिलाफ भारत शिया मुस्लिमों का गुस्सा भड़क उठा है। लखनऊ में सऊदी के खिलाफ देशभर के शिया मुसलमान विरोध का नारा बुलंद करेंगे। भारत में सऊदी बनाम शिया के पीछे की कहानी क्या है, आपको बता देते हैं। इस सवाल का जवाब सऊदी अरब में 100 साल पहले हुए एक वाक्य से जुड़ा है। सऊदी अरब में इस्लाम को मानने वालों के लिए दो सबसे पाक और मुकद्दस जगह मक्का व मदीना मौजूद है। सऊदी सुन्नी इस्लाम के ज्यादातर फिरकों का मरकस है। फिर वो चाहे हनफी हो या अहल-ए-हदीस, वहाबी हो या शाल्फी, लेकिन शिया पंथ से सुन्नी फिरके की खुन्नस इस्लाम के शुरूआती दौर से है। तो क्या लखनऊ में होने वाले शिया के विरोध प्रदर्शन की वजह यही है। दरअसल, 1925 में सऊदी किंग आले सऊद ने मदीना में मौजूद जन्नतुल बकी कब्रिस्तान तुड़वा दिया था। इस कब्रिस्तान में रसूल-ए-इस्लाम की बेटी और दूसरे इमामों की कब्रें हैं।

सनथ जयसूर्या ने पीएम मोदी से की ये अपील, मिला यह जवाब

कोलंबो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोलंबो दौरे के दौरान श्रीलंका के 1996 वर्ल्ड कप विजेता क्रिकेट खिलाड़ियों से खास मुलाकात की। इस दौरान, उन्होंने श्रीलंकाई क्रिकेट दिग्गजों के साथ बातचीत की, जिनमें सनथ जयसूर्या, चमिंडा वास, अरविंद डी सिल्वा, मार्वन अटापट्टू, रविंद्र पुष्पकुमारा, उपुल चंदाना, कुमार धर्मसेना और रोमेश कालूवितराना जैसे प्रमुख खिलाड़ी शामिल थे।

इस मुलाकात के दौरान, श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के कोच और पूर्व क्रिकेट स्टार सनथ जयसूर्या ने पीएम मोदी से एक खास अपील की। सनथ जयसूर्या ने प्रधानमंत्री से जाफना में एक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम बनाने की मांग की। उन्होंने बताया कि श्रीलंकाई टीम के लिए यह एक बड़ा मुद्दा है, क्योंकि जाफना में अब तक कोई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैदान नहीं है। जयसूर्या ने कहा, "हम पूरे श्रीलंका में क्रिकेट खेलते हैं, लेकिन जाफना में कोई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम नहीं है। अगर भारत हमारी मदद कर सके और जाफना में एक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम बना सके, तो यह उत्तर और पूर्वी श्रीलंका के लोगों के लिए बड़ी मदद होगी।" उन्होंने यह भी कहा कि यह कदम उन क्षेत्रों में क्रिकेट के विकास के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा, जो खेल के लिहाज से पीछे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस प्रस्ताव पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भारत हमेशा 'पड़ोसी पहले' नीति पर विश्वास करता है और अपने पड़ोसी देशों की मदद करने के लिए तैयार रहता है। उन्होंने कहा, "भारत हमेशा अपने पड़ोसी देशों के साथ मजबूत और स्थायी संबंध बनाए रखना चाहता है। हम श्रीलंका के संकट के समय भी वहां की मदद के लिए आगे आए थे और हम भविष्य में भी आपकी मदद करने के लिए तैयार हैं।" पीएम मोदी ने जाफना में क्रिकेट स्टेडियम बनाने के विचार को सराहा और आश्वासन दिया कि भारत इस दिशा में हर संभव प्रयास करेगा। इस मुलाकात के दौरान श्रीलंकाई खिलाड़ियों ने प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद दिया और भारत द्वारा श्रीलंका के आर्थिक संकट के समय दी गई मदद के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भारत की सहायता ने श्रीलंका को उस मुश्किल समय में उबरने में मदद की।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी 'पड़ोसी पहले' नीति को फिर से दोहराया और उदाहरण के रूप में म्यांमार में हाल ही में आए भूकंप के बाद भारत द्वारा की गई सहायता का हवाला दिया। उन्होंने कहा, "हमने म्यांमार में भूकंप के बाद सबसे पहले सहायता भेजी थी। इसी तरह, श्रीलंका के संकट के समय में भी भारत ने अपनी ओर से हर संभव मदद की थी।"

कीव पर रूसी हमले में एक की मौत, पहले हुए मिसाइल हमले में मरने वालों की संख्या 20 हुई

कीव **जेलेंस्की** ने कहा, ये हमले सभी अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक कोशिशों को (रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर) पुतिन का जवाब है। हमारे हर साथी - अमेरिका, पूरा यूरोप, पूरी दुनिया - ने देखा है कि रूस युद्ध और हत्या जारी रखने का इरादा रखता है।

यूक्रेन की राजधानी कीव पर रविवार को रूसी हवाई हमलों में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि मध्य यूक्रेनी शहर क्रीवी रीह पर शुक्रवार को हुए हमले में मरने वालों की संख्या में वृद्धि जारी है।

मेयर विताली क्लित्स्को ने बताया कि कीव के डार्नित्स्की जिले में हमले के केंद्र के पास व्यक्ति का शव मिला। हमले में तीन लोग घायल हो गए तथा कई गैर-आवासीय क्षेत्रों में आग लग गई और कारों और इमारतों को नुकसान पहुंचा है।

सोशल मीडिया पर दिए गए एक बयान में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि रूस के बढ़ते हमले दर्शाते हैं कि मॉस्को पर अब भी पर्याप्त अंतरराष्ट्रीय दबाव नहीं है।

क्या होगा अमेरिका के टैरिफ का जवाब, भारत ने अपनाया 'चाणक्य' वाला प्लान

वाशिंगटन।

ट्रंप ने अपने टैरिफ आदेश में एक जगह लिखा है कि उन व्यापारिक साझेदारों को राहत दी जा सकती है जो असंतुलित व्यापार घाटा को सुधारने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाएंगे और इसे ही पीएम मोदी की सरकार भुनाना चाहती है. रिपोर्ट के अनुसार अधिकारी ने यह बताया है कि भारत ने टैरिफ पर अपनी प्रतिक्रिया में सतर्कता बरती है, लेकिन विपक्ष ने पीएम मोदी और ट्रंप के बीच "मित्रता" के बावजूद राहत पाने में विफल रहने के लिए सरकार पर हमला किया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि टैरिफ अर्थव्यवस्था को पूरी तरह से तबाह कर देंगे। अमेरिका के साथ प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) में काफी प्रगति हुई है। पिछले महीने, दोनों देशों ने बीटीए के लिए संदर्भ की शर्तों पर सहमति व्यक्त की।

डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन द्वारा अमेरिका से निर्यात पर 26% शुल्क लगाए जाने के बाद भारत द्वारा अमेरिका पर जवाबी शुल्क लगाए जाने और द्विपक्षीय व्यापार समझौते को जल्द से जल्द अंतिम रूप देने पर ध्यान केंद्रित करने की संभावना नहीं है। ट्रंप के इस कदम ने वैश्विक बाजारों के साथ-साथ दलाल स्ट्रीट को भी हिलाकर रख दिया है। सेंसेक्स में 1.6% की गिरावट आई है। अधिकारी ने कहा कि सरकार पिछले सप्ताह ट्रंप द्वारा हस्ताक्षरित कार्यकारी आदेश के एक महत्वपूर्ण खंड पर भरोसा कर रही है, जो उन देशों को राहत प्रदान करता है जो गैर-पारस्परिक व्यापार व्यवस्थाओं को सुधारने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाते हैं। एक अन्य सरकारी अधिकारी ने बताया कि भारत इस बात से संतुष्ट है कि वह अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू करने वाले पहले देशों में से एक है। चीन (34%), वियतनाम (46%) और इंडोनेशिया (32%) जैसे एशियाई देशों पर उच्च टैरिफ का असर पड़ा है।

अमेरिका से सभी आयातों पर 34% टैरिफ लगाएगा, इंडोनेशिया ने कहा कि वह जवाबी कार्रवाई नहीं करेगा। वियतनाम, जो चीन के लिए एक उभरता हुआ विनिर्माण और निर्यात विकल्प है, संभावित व्यापार सौदे में अपने टैरिफ को शून्य करने के लिए सहमत हो गया है।

ट्रम्प ने नए पारस्परिक आयात शुल्क लागू होने पर अमेरिकी जनता से दृढ़ रहने को कहा

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने देश लोगों से आयात शुल्क लागू होने पर दृढ़ता से बनाये रखने का आह्वान करते हुए कहा है कि इस आयात शुल्क के लागू होने से देश की आर्थिक क्रांति आएगी।

श्री ट्रम्प के लगाए गए नए "पारस्परिक आयात शुल्क" ने वैश्विक बाजार में तूफान मचा दिया है, हालांकि अमेरिका भी इसके प्रभाव से अछूता नहीं है।

सीबीएस न्यूज के अनुसार, श्री ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर कहा, "हम पहले की तरह नौकरियां और व्यवसाय वापस ला रहे हैं।यह आसान नहीं होगा, लेकिन अंतिम परिणाम ऐतिहासिक होगा। हम अमेरिका को फिर से महान बनाएंगे।"

ट्रम्प प्रशासन ने देश में आने वाले सभी आयातों पर 10 प्रतिशत न्यूनतम आयात शुल्क लगाया और अमेरिका के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों पर और भी अधिक पारस्परिक आयात शुल्क लगाया, जिसमें चीन, कनाडा, मैक्सिको, भारत, जापान, दक्षिण कोरिया, जर्मनी, संयुक्त राष्ट्र, वियतनाम, ताइवान, साथ ही आसियान और यूरोपीय संघ जैसे संगठन शामिल हैं। यूएसए टुडे के अनुसार, आधारभूत आयात शुल्क शनिवार को 12:01 बजे से लागू हो गया, तथा पारस्परिक आयात शुल्क नौ अप्रैल से लागू होगा।

इस सप्ताह की शुरूआत में राष्ट्रपति ने दो नए आयात शुल्क, सभी अमेरिकी आयातों पर 10 डॉलर का सार्वभौमिक शुल्क और लगभग 90 देशों से आयात पर लागू तथाकथित पारस्परिक आयात शुल्क का अनावरण किया। उन्होंने कहा कि वह अमेरिकी विनिर्माण को पुनर्जीवित करेंगे, रोजगार पैदा करेंगे और संघीय राजस्व उत्पन्न करेंगे।

श्री ट्रम्प ने तर्क दिया है कि दशकों के वैश्वीकरण को पीछे ले जाने वाले नए उपाय देश के गिरते घरेलू विनिर्माण क्षेत्रों को फिर से जीवंत करने और अमेरिकी निर्यात पर उच्च आयात शुल्क लगाने वाले अन्य देशों के साथ समान अवसर बनाने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

उल्लेखनीय है कि आयात शुल्क अब तक दूसरे ट्रम्प प्रशासन के सबसे साहसिक कदमों में से एक रहे हैं, जिसके कारण वैश्विक बाजारों में गिरावट आई है।

सीबीएस न्यूज के अनुसार, शुक्रवार को एसएंडपी 500 में छह प्रतिशत की गिरावट आई, डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 5.5 प्रतिशत की गिरावट आई और नैस्डैक कंपोजिट में 5.8 प्रतिशत की गिरावट आई। कोविड-19 महामारी की शुरूआत के बाद से वित्तीय बाजारों का सबसे खराब सप्ताह समाप्त हुआ, जिसने पहले ही अमेरिकी बाजार पर कहर बरसाया था।

भारत ने अमेरिकी मंत्री को कराया चुप, जवाब सुनकर ट्रंप भी टेंशन में आ जाएंगे

अमेरिका

रिपोर्ट में उन्होंने भारत की कई नीतियों को ट्रेड बैरियर कहा है। रिपोर्ट में मुख्य रूप से तीन पॉलिसी को टारगेट किया गया है। इनमें मेक इन इंडिया, पीएलआई स्कीम, डिफेंस इंडीजनाइजेशन, ऑफसेट पॉलिसी और डेटा लोकलाइजेशन के प्रयास शामिल हैं। उनका कहना है कि ये नीतियां अमेरिकी कंपनियों के बाहरी कंपनियों से बचा रहा है। अमेरिका एक बार फिर सवाल उठाने के अपने एजेंडे के साथ सामने आया है। लेकिन इस बार कहानी सिर्फ टैरिफ तक सीमित नहीं है। इस बार अमेरिका ने भारत की आंतरिक नीतियों पर भी सवाल खड़े कर दिए। मगर भारत ने भी अबकी बार चुप्पी नहीं साधी बल्कि ऐसा जवाब दिया कि अमेरिकी वाणिज्य मंत्री तक चुप हो गए। हाल ही में अमेरिका के ट्रेड ऑफिस जिसे हम यूएस ट्रेड रिप्रजेंटेटिव कहते हैं। उन्होंने 2025 ट्रेड एस्टिमेट रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट में उन्होंने भारत की कई नीतियों को ट्रेड बैरियर कहा है। रिपोर्ट में मुख्य रूप से तीन पॉलिसी को टारगेट किया गया है। इनमें मेक इन इंडिया, पीएलआई स्कीम, डिफेंस इंडीजनाइजेशन, ऑफसेट पॉलिसी और डेटा लोकलाइजेशन के प्रयास शामिल हैं। उनका कहना है कि ये नीतियां अमेरिकी कंपनियों के लिए नुकसान दायक हैं। भारत अपने मार्केट को जानबूझकर बाहरी कंपनियों से बचा रहा है।

लेकिन इस बार भारत ने भी किसी किस्म की सफाई नहीं दी बल्कि सीधा प्रहार किया। भारत के टॉप ट्रेड निगोशिएटर्स ने अमेरिकी आरोपों पर जवाब देते हुए कहा कि मेक इन इंडिया और पीएलआई स्कीम्स भारत की घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए जरूरी है।

इससे टेक्नोलॉजी ट्रांसफर और जॉब क्रिएशन होता है। अमेरिका खुद अपनी कंपनियों को सब्सिडी और टैक्स छूट देता है। तो भारत के प्रयासों पर सवाल उठाना दोहरा मापदंड है। अमेरिका ने भारत की डिफेंस ऑफसेट पॉलिसी पर भी आपत्ति जताई है। जिसमें विदेशी कंपनियों को 30 प्रतिशत लोकल प्रोक्योरमेंट करना होता है। भारत का जवाब बिल्कुल साफ था कि डिफेंस सेक्टर में आत्मनिर्भरता आज की सबसे बड़ी जरूरत है।

गाजा में इजराइली हमले में 32 लोग मारे गए, मृतकों में ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं

गाजा **नेतन्याहू** सोमवार को ट्रंप से दूसरी बार मिलेंगे। ट्रंप ने जनवरी में अपना नवीनतम कार्यकाल संभाला है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह युद्ध और इजराइल पर लगाए गए नए 17 प्रतिशत शुल्क पर चर्चा करेंगे।

गाजा पट्टी पर इजराइली हमलों में एक दर्जन से अधिक महिलाओं और बच्चों समेत कम से कम 32 लोग मारे गए। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू युद्ध के बारे में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से भेंटवार्ता करने के लिए अमेरिका गये हैं। इजराइल ने पिछले महीने हमास के साथ युद्ध विराम समाप्त कर दिया था तथा हवाई और जमीनी हमले पुनः शुरू कर दिए थे। उसने ताबड़तोड़ हमला करते हुए क्षेत्रों पर कब्जा किया था ताकि उग्रवादी संगठन पर नए युद्ध विराम समझौते को स्वीकार करने तथा शेष बंधकों की रिहाई के लिए दबाव बनाया जा सके। रविवार रात को किए गए नवीनतम इजराइली हमलों में दक्षिणी शहर खान यूनिस में एक तम्बू और एक घर को निशाना बनाया गया।

ट्रंप ने एयर फोर्स वन में बैठे-बैठे क्या नया दावा कर दिया

अमेरिका

टिकटॉक के 170 मिलियन से ज्यादा अमेरिकी यूजर्स हैं। पिछले साल अमेरिका में पारित एक कानून के बाद संभावित बंद का सामना कर रहा है, जिसके तहत इसे अपनी चीनी मूल कंपनी बाइटडांस से अलग होना पड़ा। पिछले हफ़्ते, ट्रम्प ने टिकटॉक के लिए गैर-चीनी खरीदार खोजने की समय सीमा को 75 दिन और बढ़ा दिया था। रॉयटर्स के अनुसार, ट्रम्प की योजना में टिकटॉक के अमेरिकी परिचालन को एक अलग अमेरिकी स्वामित्व वाली इकाई में बदलने का सौदा शामिल है, जिसमें बाइटडांस अल्पमत हिस्सेदारी बनाए रखेगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अगर अमेरिका टैरिफ में कटौती करता तो चीन 15 मिनट में वीडियो-शेयरिंग ऐप टिकटॉक की बिक्री को मंजूरी दे देता। ट्रंप ने कहा कि चीन के रुख में यह बदलाव पिछले हफ़्ते अमेरिका द्वारा सभी चीनी आयातों पर 34% का भारी-भरकम टैरिफ लगाए जाने के बाद आया है। एयर फोर्स वन में बोलते हुए ट्रम्प ने कहा हमने टिकटॉक के लिए काफी हद तक एक डील की थी। फिर चीन ने टैरिफ के कारण डील बदल दी। ट्रंप ने कहा कि यदि मैंने टैरिफ में थोड़ी कटौती की होती तो वे 15 मिनट में उस सौदे को मंजूरी दे देते, जो टैरिफ की ताकत को दशार्ता है। टिकटॉक के 170 मिलियन से ज्यादा अमेरिकी यूजर्स हैं। पिछले साल अमेरिका में पारित एक कानून के बाद संभावित बंद का सामना कर रहा है, जिसके तहत इसे अपनी चीनी मूल कंपनी बाइटडांस से अलग होना पड़ा। पिछले हफ़्ते, ट्रम्प ने टिकटॉक के लिए गैर-चीनी खरीदार खोजने की समय सीमा को 75 दिन और बढ़ा दिया था। रॉयटर्स के अनुसार, ट्रम्प की योजना में टिकटॉक के अमेरिकी परिचालन को एक अलग अमेरिकी स्वामित्व वाली इकाई में बदलने का सौदा शामिल है, जिसमें बाइटडांस अल्पमत हिस्सेदारी बनाए रखेगा। हालांकि, चीन पर पारस्परिक टैरिफ की ट्रम्प की घोषणा, जिसके बाद फरवरी और मार्च में पहले से ही 10% टैरिफ के दो दौर घोषित किए गए, ने इस सौदे को ठंडे बस्ते में डाल दिया है। चीन ने 10 अप्रैल से अमेरिका से सभी आयातों पर पारस्परिक 34% टैरिफ लगाकर जवाबी कार्रवाई की है, जिससे पूर्ण व्यापार युद्ध की चिंता बढ़ गई है। समाचार एजेंसी एपी के अनुसार, बाइटडांस ने व्हाइट हाउस को सूचित किया है ।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI No: UPHIN/2001/09025
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा।